राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 26 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-60 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

प्रधानमंत्री मोदी ने चैत्र नवरात्रि पर मां कालरात्रि को किया नमन, कई दिग्गजों ने दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली।

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आज सातवें दिन मां दुर्गा के अत्यंत ओजस्वी स्वरूप, मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना की जा रही है। इस विशेष तिथि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के प्रमुख राजनेताओं ने समस्त देशवासियों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मां कालरात्रि को नमन करते हुए एक संस्कृत श्लोक साझा किया। उन्होंने प्रार्थना की कि देवी के आशीर्वाद से सभी का जीवन साहस, संकल्प और सफलता से परिपूर्ण हो। प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए सुभाषित में मां के उस दिव्य स्वरूप का वर्णन किया गया है जो श्याम वर्ण वाली हैं, मस्तक पर गौरवशाली ध्वजा धारण करती हैं और काल का नाश करने वाली हैं। उन्होंने मां कालरात्रि के चरणों में शीश नवाते हुए समाज में सकारात्मक ऊर्जा के संचार की कामना की। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी इस अवसर पर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। नितिन नवीन ने पोस्ट के माध्यम से कामना की कि मां कालरात्रि सभी के जीवन से भय और अज्ञान के अंधकार को मिटाकर साहस और सुरक्षा प्रदान करें। वहीं, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मां के सप्तम स्वरूप की वंदना करते हुए कहा कि मैया अपने भक्तों पर सदैव कृपा बनाए रखें। उन्होंने हर घर में सुख, समृद्धि और आनंद की वर्षा होने की प्रार्थना की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां कालरात्रि को दुष्टों का संहार करने वाली और शुभ फल प्रदायिनी बताते हुए नमन किया। उन्होंने जगत के कल्याण और शांति के लिए देवी से आशीर्वाद मांगा। साथ ही, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि मां कालरात्रि भय और अंधकार का नाश कर लोगों के जीवन में ज्ञान और विवेक का प्रकाश फैलाएं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां कालरात्रि का स्वरूप अत्यंत भयंकर होते हुए भी वे भक्तों के लिए अत्यंत शुभ फल देने वाली हैं, इसलिए उन्हें शुभंकरी भी कहा जाता है। देश भर के मंदिरों में आज सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है, जहां भक्त विधि-विधान से मां की आराधना कर रहे हैं।

अमित शाह ने गुजरात में यूसीसी बिल पास होने पर राज्य सरकार को दी बधाई

कहा - देश तुष्टिकरण की नीति पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों को समान अधिकार देने के सिद्धांत पर आगे बढ़ेगा

अहमदाबाद ।

गुजरात विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक बहुमत के साथ पारित होने के बाद देश की राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया गया है। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात इस ऐतिहासिक कदम को उठाने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है। इस उपलब्धि पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात सरकार और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को बधाई दी है। अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि उत्तराखंड के बाद गुजरात ने इस दिशा में ऐतिहासिक कार्य करते हुए देश को नई राह दिखाई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि देश में हर नागरिक के लिए समान कानून लागू करना भारतीय जनता पार्टी का स्थापना काल से ही संकल्प रहा है। उन्होंने आगे कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा शासित राज्य सरकारें इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। शाह ने खुशी जताते हुए कहा कि उत्तराखंड के बाद अब गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता विधेयक लाकर एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और इस विधेयक का समर्थन करने वाले सभी विधायकों को बधाई दी। अपने संदेश में अमित शाह ने यह भी स्पष्ट किया कि देश तुष्टिकरण की नीति पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों को समान अधिकार देने के सिद्धांत पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि यह सरकार की प्राथमिकता और संकल्प दोनों है। इस विधेयक के लागू होने के बाद गुजरात में सभी जाति और धर्म के नागरिकों के लिए विवाह, तलाक और संपत्ति जैसे मामलों में एक समान कानून लागू होगा, जिससे सामाजिक समानता को बढ़ावा मिलेगा।

गुजरात में यूसीसी बिल पासः विधानसभा में ऐतिहासिक फैसला, देश का दूसरा राज्य बना

-साढ़े सात घंटे की चर्चा के बाद बहुमत से पारित, विपक्ष का वॉकआउट

-महिलाओं के सशक्तिकरण पर सरकार का जोर

अहमदाबाद।

गुजरात विधानसभा में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल को लंबी चर्चा के बाद बहुमत से पारित कर दिया गया। इसके साथ ही गुजरात, उत्तराखंड के बाद देश का दूसरा राज्य बन गया है, जहां यह महत्वपूर्ण और व्यापक प्रभाव वाला कानून पारित हुआ है।

यह बिल मंगलवार दोपहर 3ः00 बजे विधानसभा में पेश किया गया था, जिसके बाद करीब साढ़े सात घंटे तक इस पर गहन चर्चा चली।

इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखे तर्क-वितर्क देखने को मिले। अंततः रात 10ः37 बजे इसे बहुमत से पारित घोषित किया गया। मतदान के दौरान मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने विरोध जताते हुए सदन से वॉकआउट किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बिल पर विस्तृत जवाब देते हुए कहा कि यूसीसी लागू करने के मामले में गुजरात का दूसरा राज्य बनना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह कानून जाति और धर्म से ऊपर उठकर समाज को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी नागरिकों की धार्मिक आस्थाओं का पूरा सम्मान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इस कानून में महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में समान भागीदारी देने की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने यह भी कहा कि विवाह पंजीकरण से जुड़े मौजूदा प्रावधान जारी रहेंगे और अपनी पहचान छुपाकर विवाह करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि 'न कोई कानून से ऊपर है, न कोई नागरिक नीचे।' उन्होंने 'समान गुजरात, सशक्त गुजरात' का नारा देते हुए मुख्यमंत्री के नेतृत्व की सराहना की।

तमिलनाडु चुनाव के लिए एआईएडीएमके ने पहनी सूची में 23 उम्मीदवारों की घोषणा की

चेन्नई।

तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी, एआईएडीएमके 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अपनी पहली सूची में 23 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी को उनके गृह क्षेत्र एडप्पाडी से फिर से उम्मीदवार बनाया गया है। इस सूची में कई वरिष्ठ नेताओं को बरकरार रखा गया है, जिनमें के.पी. मुनुसामी, डिंडीगुल सी. श्रीनिवासन और नाथम आर. विश्वनाथन शामिल हैं। पार्टी ने पश्चिमी तमिलनाडु में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए इस क्षेत्र के प्रभावशाली नेताओं को मैदान में उतारा है। एस.पी. वेलुमणि. वेलुमणि को थोंडामुथुर और पी. थंगामणि. थैंकमणि को कुमारपालयम निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया गया है। एआईएडीएमके ने इस रणनीति से यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने मजबूत गढ़ों में जोखिम नहीं लेना चाहती। पार्टी फिलहाल एनडीए गठबंधन का नेतृत्व कर रही है और शेष सीटों पर सहयोगियों के साथ अंतिम दौर की वार्ता जारी है। एआईएडीएमके ने अपने वफादार और अनुभवी नेताओं को चुनावी मैदान में उतारकर सत्ता में वापसी की कोशिश की है और डीएमके को चुनौती देने के संकेत दिए हैं। एडप्पाडी के. पलानीस्वामी के

नेतृत्व में पार्टी अम्मा दिवगंत जयललिता की विरासत को कायम रखते हुए सत्ता में लौटने की कोशिश करेगी। पहली सूची में वरिष्ठ नेताओं पर भरोसा करने की नीति ने स्पष्ट कर दिया है कि एआईएडीएमके अपने पुराने गढ़ों में मजबूत पकड़ बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जबकि गठबंधन सहयोगियों के साथ सीटों का बंटवारा अंतिम दौर में तय होगा। कुल मिलाकर, एआईएडीएमके की यह रणनीति पार्टी की स्थिरता और चुनावी ताकत को बरकरार रखने की दिशा में निर्णायक कदम मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईसाइयों से मांगा समर्थन, नामांकन से पहले छोड़े लाभ के पद

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव 2026 की आहट के साथ ही राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जलपाईगुड़ी के चालसा में ईसाई समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर समर्थन मांगा। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न सरकारी समितियों और बोर्डों में अपने 23 से अधिक पदों से इस्तीफा दे दिया है। अपनी चुनावी मुहिम को गति दी। गौरतलब है कि पिछले कुछ चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को इस समुदाय का सशक्त समर्थन मिलता रहा है, विशेषकर जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जैसे जिलों में जहां यह समुदाय चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

मुख्यमंत्री ने ईस्टर से ठीक पहले सेंट लूसी चर्च का दौरा किया और प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया। सोशल मीडिया पर अनुभव साझा करते हुए उन्होंने लिखा कि उन्होंने सभी की खुशहाली और शांति के लिए प्रार्थना की है और चर्च के सदस्यों के साथ सार्थक चर्चा की। चुनाव आयोग को भेजे गए एक आधिकारिक पत्र के अनुसार, ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री के तौर पर विभिन्न सरकारी समितियों और बोर्डों में अपने 23 से अधिक पदों से इस्तीफा दे दिया है। नामांकन प्रक्रिया से पहले किसी भी कानूनी विवाद या लाभ के पद संबंधी शिकायतों से बचने के लिए यह कदम उठाया गया है। जिन प्रमुख पदों को उन्होंने छोड़ा है, उनमें स्टेट हेल्थ मिशन, स्टेट लैंड यूज बोर्ड, उर्दू अकादमी और स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ की अध्यक्षता शामिल है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग द्वारा सोमवार देर रात जारी की गई पहली सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट से उन मतदाताओं को बड़ी राहत मिली है, जिनकी न्यायिक जांच पूरी हो चुकी थी। बालीगंज के रहने वाले अनुभव दास और सिद्दीक आजम खान जैसे कई नागरिकों ने

लिस्ट में अपना नाम वापस देखकर संतोष व्यक्त किया है। हालांकि, अभी भी कई ऐसे मतदाता असमंजस में हैं जिनके मामले विचाराधीन हैं। वे शुक्रवार को आने वाली अगली लिस्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। चुनाव आयोग की इस सक्रियता के बीच राज्य का चुनावी माहौल पूरी तरह गरमा चुका है।

केरलम में कांग्रेस का आरोप पिनाराई विजयन और प्रधानमंत्री मोदी के बीच ''गुप्त समझौते''

कोच्चि। केरलम विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ''गुप्त समझौते'' का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता रमेश चेन्नितला ने कोझिकोड में कहा कि यह समझौता 2021 के चुनावों के बाद से लागू है और इसका उद्देश्य यूडीएफ को अलग-थलग कर कांग्रेस-मुक्त भारत का सपना साकार करना है। उन्होंने दावा किया कि एनडीए के 69 सीटों पर वोट सीपीआई (एम) को हस्तांतरित हुए, जिससे एलडीएफ को 44 प्रतिशत वोट मिला और इस वोट ने सत्ता बरकरार रखी।कांग्रेस नेता चेन्नितला ने उदाहरण देकर बताया कि एनडीए की घटक पार्टी ट्वेंटी20 और भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस) को कई प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे गए हैं, जहां सीपीआई (एम) के वरिष्ठ नेताओं को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इनके अधिकांश उम्मीदवार अपेक्षाकृत अज्ञात हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसएनसी-लावालिन भ्रष्टाचार मामले में भी गुप्त समझौते की वजह से विजयन को नोटिस तक नहीं मिला, जबकि कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेताओं से लंबी पूछताछ हुई। चेन्नितला ने कहा कि इस रणनीति से कांग्रेस को सत्ता से दूर रखा जा रहा है और केरल में राजनीतिक स्थिति 2021 जैसी ही दोहराई जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कभी विजयन ने विधानसभा या सार्वजनिक मंचों पर पीएम मोदी या गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना की है, जो इस कथित समझौते की पुष्टि करता है। कांग्रेस का यह आरोप राजनीतिक बहस में गर्मी लाने वाला माना जा रहा है और केरल चुनावों में इसे गंभीर रूप से देखा जा रहा है।

बिहार में नए सीएम को लेकर दिल्ली से नागपुर तक चक्कर लगा रहे कई नेता

नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद नई सरकार को लेकर चर्चाएं तेज

पटना। सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद बिहार में नई सरकार बनना तय है। नए सीएम के नाम से लेकर नई सरकार के प्रारूप तक, अलग-अलग तरह की चर्चाएं हो रही हैं। दूसरी तरफ सीएम नीतीश अपनी समृद्धि यात्रा पूरी करने में जुटे हैं। इस दौरान उनके साथ दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा साथ हैं। वहीं बीजेपी के कई नेता पार्टी मुख्यालय दिल्ली और संघ मुख्यालय नागपुर का चक्कर काट रहे हैं। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी 3 दिन तक दिल्ली में रहे। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। सूत्रों की मानें तो बिहार बीजेपी के कई नेता दिल्ली में अपने टॉप लीडरशिप के साथ मुलाकात करना चाह रहे हैं, लेकिन उन्हें समय नहीं मिल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी की अमित शाह के साथ मुलाकात हुई, लेकिन इसे अनौपचारिक और सीक्रेट रखा गया है।

वित्त विधेयक 2026 पर लोकसभा में फिर शुरू हुई चर्चा, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा..... राष्ट्र निर्माण एक सतत प्रक्रिया

विपक्ष की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली।

लोकसभा में बुधवार को वित्त विधेयक 2026 पर एक बार फिर चर्चा शुरू हुई, जिसमें निर्मला सीतारमण ने विधेयक को पारित करने का प्रस्ताव पेश किया। चर्चा के दौरान उन्होंने सरकार की आर्थिक नीतियों और सुधारों का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण कोई तात्कालिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला प्रयास है, जिसके परिणाम समय के साथ सामने आते हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार सुधारों को किसी दबाव या मजबूरी में नहीं, बल्कि स्पष्ट दृष्टिकोण, प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास के साथ लागू कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत आज ÷सुधार एक्सप्रेस÷ पर सवार है और तेजी से आर्थिक प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कर व्यवस्था में किए जा रहे सुधारों को रेखांकित करते हुए कहा कि सरकार ईमानदार करदाताओं को राहत देने और विश्वास-आधारित कर प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आम नागरिकों को राहत देने के उद्देश्य से सरकार ने जीवन रक्षक 17 महत्वपूर्ण दवाओं को मूल सीमा शुल्क से छूट देने का निर्णय लिया है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ और किफायती बन सकें। हालांकि, विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष की अनुपस्थिति पर सीतारमण ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि विपक्ष अक्सर सरकार से सवाल करता है, लेकिन जब जवाब देने का समय आता है तो सदन में मौजूद नहीं रहता। उन्होंने इसे संसदीय परंपराओं के विपरीत बताया। वित्त मंत्री ने पूर्व सरकारों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी

के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीमित प्रभाव पड़ा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चूड़ियाँः कायरता नहीं साहस का प्रतीक - देवी से हम तक

(लेखिका - निमिषा सिंह /ईएमएस)

(चैती नवरात्रि पर विशेष)

आज हर उस पुरुष से मेरा एक सवाल है जो अपनी भाषा में चूड़ियों का बेजा प्रयोग करते है। ऐसा कौन-सा रूप देख लिया आप सब ने हमारा कि हमारे श्रृंगार को कमजोरी या नकारेपन का प्रतीक बना दिया गया। कई बार तो ये सोच ही मुझे पल्ले नहीं पड़ती कि अगर किसी का अपमान करना है तो उसे बताया जाए कि वो औरत के समान है क्योंकि औरत मतलब कमजोर। औरत मतलब नाकारा। सदियों से यह मानसिकता और ऐसी महिला विरोधी टिप्पणियां प्रचलन में हैं और हम आज भी यूं ही इसे हांकते चले आ रहे हैं।

चैती नवरात्रि, माँ दुर्गा की उपासना का अवसर जिसमे माता रानी की विशेष पूजा के साथ उनके सोलह श्रृंगार का भी विधान है। अष्टमी/नवमी की की खरीदारी करने के क्रम में मेरी नजर मां दुर्गा के लिए सजाई जा रही मनमोहक चूड़ियों पर पड़ी। सुर्ख लाल,चमकती हुई कांच की ये चूड़ियां जैसे सीधे देवी के श्रृंगार का हिस्सा बनकर मेरे सामने खिल उठीं। जब भी चूड़ियां देखती या पहनती हूं भाषाई सभ्यता को लेकर मेरे मन में हमेशा से एक तर्क चलता रहा है। हाल ही में प्रकाशित हुई एक खबर जिसमे यूजीसी नियमों के विरोध में लखनऊ सवर्ण मोर्चा द्वारा भाजपा नेताओं के घर के आगे चूड़ियां और बिंदिया रखी गई। इस खबर ने फिर से मन को व्यथित कर दिया और सोचने और इस विषय पर लिखने के लिए विवश कर दिया कि प्रतीकात्मक हिंसा और लैंगिक पूर्वाग्रह हमारे समाज में कितनी गहरी जड़ें जमा चुके हैं।

पितृसत्तात्मक सोच में महिला की स्वतंत्रता और शक्ति को सीमित करने की प्रवृत्ति रही है लिहाजा पुरुषवादी दृष्टिकोण ने यह मान लिया कि मर्दानगी केवल कठोरता में निहित है और कोमलता कमजोरी है। जो आज भी बे रोकटोक प्रचलन में है। वैचारिक मतभेद हो या व्यक्तिगत टकराव जब-तब पुरुषों को चूड़ियां भेंट करने की ख़बरें आती रहतीं हैं। मानो चूड़ियां ना हुई रण निमंत्रण हो गई। बचपन से ही हमे यह बताया गया कि चूड़ियां नारी के श्रृंगार सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक हैं किंतु हमे यह नही बताया गया कि चूड़ियां अक्सर पुरुषत्व की प्रेरणा और चुनौती भी बन जाती हैं । मुझे यह समझ नहीं आता कि पुरुषवादी दृष्टिकोण साबित करने के लिए चूड़ियां ही क्यों फेंकीं जाती हैं? चूड़ियां किस बात का प्रतीक हैं? कमजोरी का? कायरता का? बचपन से ये डायलॉग सुनते आ रहे हैं कि हमने चूड़ियां नहीं पहन रखीं हैं या फिर औरतों की तरह चूड़ियां पहनकर घर पर बैठो और मजे की बात यह है कि किसी को चूड़ियों के इस तरह के इस्तेमाल पर ऐतराज भी नहीं है। होगा भी क्यों? सोचेंगे तो होगा ना। जरा सोचिए अपने विरोधी को चूड़ी देकर आप उसकी नही बल्कि महिला शक्ति का अपमान करते है। चूड़ियां तो मां काली और दुर्गा के हाथ में भी होती हैं तो क्या उनसे बढकर है कोई शक्ति का रूप? चूड़ियां तो हर उस लड़की के हाथ में होती हैं जो नए सपने सजाती है और बड़ी ही मजबूती से अपने माता-पिता के घर को छोड़कर एक नए घर और अंजान लोगों को अपनाती है। चूड़ियां तो उन हाथों में भी होती हैं जो नौ महीने तक एक जीवन को अपने अंदर पालती हैं और दर्द की चरम सीमा को पार करके एक नए जीवन को दुनिया में लाती हैं। चूड़ियां तो उन हाथों में भी थी जिन्होंने महाकाव्य लिख डाले। चंद्रयान 2 के परीक्षण के दौरान हम सब ने नासा की महिला वैज्ञानिकों के हाथों में मौजूद चूड़ियों को तो देखा ही होगा। भरी दुपहरी में कमर में बच्चे को बांधकर ईट के भट्ठों पर काम कर रही उस मां के हाथों में भी मैने चूड़ियां देखी है। कहीं से भी कमजोर तो नही दिखी वो मुझे। आज हर उस पुरुष से मेरा एक सवाल है जो अपनी भाषा में चूड़ियों का बेजा प्रयोग करते है। ऐसा कौन-सा रूप देख लिया आप सब ने हमारा कि हमारे श्रृंगार को कमजोरी या नकारेपन का प्रतीक बना दिया गया। कई बार तो ये सोच ही मुझे पल्ले नहीं पड़ती कि अगर किसी का अपमान करना है तो उसे बताया जाए कि वो औरत के समान है क्योंकि औरत मतलब कमजोर। औरत मतलब नाकारा। सदियों से यह मानसिकता और ऐसी महिला विरोधी टिप्पणियां प्रचलन में हैं और हम आज भी यूं ही इसे हांकते चले आ रहे हैं। इतना होने के बावजूद अगर कोई यह कहे कि ऐसा नहीं है। यह औरतों का अपमान नहीं है। उनसे मैं जरूर जानना चाहूंगी कि कैसे नहीं है? चूड़ियां हम महिलाओं का श्रृंगार हैं। पौराणिक धार्मिक या सांस्कारिक जो भी कारण हो सच यही है की हम औरतें अपने पति की मंगलकामना के लिए ही इन्हें पहनती हैं। कई बार हाथों में चुभता भी है। कभी टूट जाएं तो चोट भी लग जाती है पर फिर भी हम इसे पहनती हैं। जब मैं छोटी थी और मैंने कई बार घर में अपनी मां को देखा कि बर्तन धोते वक्त उनकी चूड़ियां टूट कर चुभ जातीं थीं और खून निकलने लगता। मैंने कई बार पूछा उनसे आप इसे क्यों पहनती हैं उतार फेंको इसे। वह गुस्से से लाल हो जातीं और कहती इस तरह के सवाल दोबारा मत पूछना। अब समझ में आता है कि नारी को सहनशील और त्याग जैसे विशेषणों से क्यों नवाजा गया है। चूड़ियां पहनना कोई इतना आसान काम नहीं है जितना कि आप पुरुष सोचते हैं। चूड़ियां केवल चूड़ियां ही नहीं होती इन्हें सहेजना भी बहुत कठिन होता है। देश की आधी आबादी हम महिलाएं। शक्तिशाली, स्वतंत्र, और समर्थ। बहुत सी क्षमताएँ और गुणों से परिपूर्ण जो हमे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट बना सकते हैं। हालांकि, कुछ समाजों में और कुछ स्थितियों में महिलाओं को आज भी समाज में सही मायने में स्थान नहीं मिल पा रहा है। पुरुष प्रधान समाज द्वारा स्थापित लैंगिक पूर्वाग्रहों के तहत उन्हे कमजोर बनाए रखने की कोशिश जारी है। स्त्री के मन में सदियों से यह कूट-कूट कर डाल दिया गया है कि वह अबला और कमजोर है।

हालांकि यह परिप्रेक्ष्य अब काफी हद तक बदल रहा है और अब लोग समझ रहे हैं कि महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि जिस दिन स्त्री खुद को कमजोर समझना छोड़ देगी उस दिन पूरी संभावना है कि समाज भी यह सोचना छोड़ देगा। किरण बेदी से लेकर कल्पना चावला और लक्ष्मी बाई से लेकर इंदिरा गांधी तक को समाज ने कभी कमजोर नहीं समझा क्योंकि इन स्त्रियों ने खुद को कभी कमजोर नहीं समझा। ऐसे कृत्यों के लिए केवल पुरुषों को ही जिम्मेदार ठहराना गलत होगा। कई मौकों पर ऐसा देखा गया कि पुरुष को पीछे हटता देख स्वयं महिलाओं ने ही अपनी चूड़ियां भेजकर उन्हे ललकारा या नकारा करार दिया। अब ऐसी महिलाओं के विषय में क्या कहा जाए जो स्वयं अपने सौभग्यचिन्ह का इस तरह अपमान कर रही हों। नारी-पुरुष दोनों का आभूषण होकर भी चूड़ियां कई अवसरों पर 'रण-निमंत्रण' बन जाती हैं। रंग-बिरंगी खनखनातीं सौभाग्य चिह्न स्वास्थ्य-ज्योतिष धार्मिक आस्था से परिपूर्ण, ऐतिहासिक देव-देवियों के इस आभूषण को इस तरह से इस्तेमाल तो केवल और केवल आपकी नादानी मूर्खता को ही प्रदर्शित करता है। चूड़ियां भेट ही करनी है तो केवल उसे ही दे जिसे आप बहुत अधिक प्रेम करते हैं। इससे बड़ा उदाहरण और क्या होगा कि स्वयं भगवान श्री कृष्ण ने ब्रज में कृष्ण-राधा के अगाध प्रेम को प्रकट करनेवाली मनिहारी लीला अभिनीत की जिसमें राधा से मिलने के लिए कृष्ण मनिहारी का रूप धारण करके आवाज़ लगाते हैं- कोउ चुरियां लेउजी चुरियां।

यह कतई ना भूले कि हमारे अराध्य श्री राम और श्री कृष्ण ने भी स्वयं इसे धारण किया हुआ है।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने भी साकेत निवासिनी नारियों के मणिमय चूड़ियां पहनने का वर्णन किया है। साकेत के प्रथम सर्ग में-

'चूड़ियों के अर्थ जो है मणिमयी, अंग ही कांति कुंदन बन गईं'

दुर्भाग्य है कि इस देश का आधा हिस्सा जिससे आबाद है उसी के हाथों के आभूषण कच्ची बुद्धि वाले लोगों के घटिया मानसिकता के प्रदर्शन में हथियार बन रहे हैं। हैरत है कि यह जानते हुए भी कि चूड़ियां महिलाएं मर्दों के लंबी आयु की कामना के लिए पहनती हैं बावजूद इसके यदि कोई मर्द कहता है कि मैंने चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं तब इसका क्या मतलब निकला जाए? सदियों से चली आ रही इस वाहियात हरकत पर अंकुश लगाना होगा। अब जमाना बदल गया है। आपको बदलना होगा। यदि आपने अपनी मानसिकता नहीं बदली तो यकीनन आप बदल दिए जायेंगे। बावजूद इसके कभी इस तरह की जलील हरकत करने का कोई साहस करें तो वह यह याद रखे कि देश व लोकतंत्र के आधे हिस्से को आपको जवाब देना होगा। यकीनन उसमे आपके घर की महिलाएं भी शामिल होंगी। यह हमारे धीरज और समझदारी का परिचय है कि हाथ में हमारे कांच भी है और कठोर से कठोर जीवन जीने की क्षमता और साहस भी। पुरुष भाइयों से निवेदन है कि कभी जरा कांच की चूड़ी पहनने की कोशिश करके देखिएगा पता चलेगा कि महिला का जीवन जीना तो छोड़िए पुरुषों के बस का तो उनकी चूड़ियां पहनना भी नहीं है। चूड़ियां हाथों में, शक्ति दिल में- मां दुर्गा से हम तक5।

(यह ले खिका के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

लाचार पर मार

बीमा कारोबार की जटिलताएं हमेशा से ही आमजन के लिए एक अनसुलझी गुत्थी रही हैं। हमारी भविष्य की आशंकाओं व भय पर फल-फूल रहे इस कारोबार को लेकर गाहे-बगाहे परेशान करने वाली खबरें आती रहती हैं। लेकिन इसके बावजूद तेजी से फल-फूल रहे विभिन्न बीमा कारोबारों की विसंगतियां कम नहीं हुई हैं। इसी तरह मेडिकल बीमा को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आती रही हैं। दरअसल, लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाओं के दौर में, भविष्य में महंगे इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिलाकर बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु-परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे-ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीए के आंकड़ों ने बीमा कंपनियों के मुनाफा खेल को उजागर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में छब्बीस हजार करोड़ रुपये के बीमा दावे खारिज किए गए थे। निस्संदेह, ये आंकड़ा बीमा कंपनियों तथा पांच सितारा अस्पताल प्रबंधकों के अपवित्र गठबंधन को ही दर्शाता है। बाकायदा पिछले दिनों राज्यसभा में निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के अपवित्र गठजोड़ का मामला उठाया गया। जो हर साल हजारों लोगों को कर्ज व गरीबी की दलदल में धकेल देता है। अक्सर आरोप लगता है कि मरीजों को उपचार के मुकाबले बेहद कम राशि का भुगतान किया जाता है। ऐसा नहीं है कि प्राइवेट अस्पतालों व बीमा कंपनियों के मध्य सांठगांठ के मामले सामने नहीं आते। लेकिन हमारा नियामक-तंत्र सारे घटनाक्रम की अनदेखी कर देता है। विडंबना यह भी है कि केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर भी इस मुनाफाखोरी पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया जाता है, जिससे लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने का खेल बदस्तूर जारी रहता है। दरअसल, लोग जब कोई स्वास्थ्य बीमा कराते हैं तो उन बारीकियों के बारे में नहीं बताया जाता है, जिसके आधार पर मरीजों के चिकित्सा बीमा राशि को खारिज किया जाता है। अक्सर इलाज के बड़े खर्चे के दावे को कई मीन-मेख निकालकर नकार दिया जाता है। कई बार तो अमानवीयता की हदें भी सामने आती हैं जब मरीज की मृत्यु पर, खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल प्रबंधक परिजनों को पार्थिव शरीर तक को देने से मना कर देते हैं। जबकि इस बारे में अदालत व सरकार की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बकाया राशि के लिए किसी मरीज के शव को रोका नहीं जा सकता। दरअसल, चिकित्सा बीमा आज देश-दुनिया में बड़ा कारोबार बन गया है। लेकिन पश्चिमी देशों में भुगतान में ईमानदारी व कार्यशैली में पारदर्शिता से इस व्यवसाय का विस्तार हुआ है। लेकिन भारत में ईमानदारी, पारदर्शिता के अभाव व दोषपूर्ण कार्यशैली से चिकित्सा बीमा के औचित्य पर ही सवाल उठते हैं। सवाल उन सरकारी विभागों पर भी है, जो बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की पहल नहीं करती। तभी साल में करोड़ों रुपये की उगाही करने वाली बीमा कंपनियां कई तकनीकी वजहों से मरीज के इलाज में लगी रकम का बड़ा हिस्सा देने से मना कर देती हैं। वास्तव में जरूरत इस बात की है कि बीमा कराते वक्त ईमानदारी से बीमे से जुड़ी शर्तों से उपभोक्ता को अवगत कराया जाए।

असाध्य को साध्य बनाते श्री राम -

(लेखिका - डॉ. रीना रवि मालपानी)

राम नाम की महिमा तो देवाधिदेव महादेव से श्रेष्ठ कोई भी व्यक्त नही कर सकता, जो गृहस्थ जीवन में माता उमा सहित प्रभु राम की आराधना में लीन रहते है। महादेव ने सिर्फ राम नाम को रखकर बाकी सभी वितरित कर दिया था। भगवान श्री राम के प्रति महादेव का प्रेम इतना अद्भुत है कि वे राम नाम श्रवण के लिए शमशान में निवास करते है। वे माता पार्वती को विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने पर बताते है कि है देवी राम नाम विष्णु सहस्त्रनाम के तुल्य है। मैं सर्वदा राम नाम में ही रमन करता हूँ। महादेव ने अपने 11वें रुद्र अवतार में भी श्री राम के प्रति अपना अनन्य प्रेम और भक्ति प्रदर्शित की। हनुमान सदैव श्री राम के सानिध्य में रहना चाहते है। राम भक्ति में ही वे आनंद के अभिभूत रहते है।

भगवान राम के अवतरण में असाध्य को साध्य बनाने का अनूठा रहस्य छुपा है। भगवान श्री राम के जीवन में धैर्य सबसे अनूठा मूल मंत्र रहा है, जो नारायण स्वरूप श्री राम पलक झपकते ही सृष्टि का सर्वस्व परिवर्तित कर सकते थे, उन्होने श्रीराम बनकर छोटे-छोटे कार्यो को संपादित कर अपने लक्ष्य को साधा। जिनकी सेवा में समस्त सृष्टि सेवारत रहती है उन्होने राम से श्रीराम बनने की यात्रा में सहजता, सरलता और त्याग को अपनाकर छोटे-छोटे संसाधन जुटाकर उन संसाधनों से विजय को प्राप्त करना सिखाया। दुनिया अक्सर असमानता के भाव से दूसरों को न्यून समझकर अस्वीकार करती है, वहीं श्रीराम ने वानर सेना का सहयोग लेकर दुनिया को सफलता का मूल मंत्र सिखाया कि हर कोई स्वयमेव श्रेष्ठ होता है। श्रीराम के चरित्र में हमें रणभूमि के साथ मनभूमि पर भी विजय प्राप्त करने का संदेश मिलता है। जिन सीता माता के श्रीराम वन-वन भटके, जिनको रावण की कैद से मुक्त करवाने के लिए श्रीराम ने युद्ध तक का मार्ग तय किया, उनको छोड़ना श्रीराम के लिए सहज नहीं होगा, पर श्रीराम की जीवन यात्रा में स्वयं का सुख निहित नहीं था। वे तो जनकल्याण के लिए अवतरित हुए थे। मर्यादा पुरषोत्तम स्वरूप को साकार रूप देने आए थे, इसलिए अपनी संतान के विरह के मार्ग को भी सहर्ष स्वीकार किया। श्रीराम की पूरी जीवन यात्रा प्रत्येक स्वरूप में नए आयामों को स्थापित करने के लिए थी। उन्होने राज्य का भोग नहीं अपितु वनवास में रहकर अपने भक्तों की प्रार्थना और मनोरथ को सुना। भक्ति के अधीन होकर वे स्वयं अपने भक्तों के उद्धार के लिए जनमानस के बीच गए। जिनके चरण कमल के समान है, जिनके नयन कमल के समान है उन श्रीराम ने वनवास की प्रतिकूलता भी सहर्ष स्वीकार की। श्रीराम की विलक्षण लीला में माया रूपी सोने के मृग का अनुसरण करना भी शामिल था। स्वयं ब्रह्म होकर माया के पीछे दौड़ना मानवीय लीला का ही अंग है, क्योंकि उन्हें तो आगामी वर्षो के लिए मानव कल्याण के लिए उदाहरण प्रस्तुत करना था। प्रत्येक परिस्थिति से समाज को शिक्षा देना था। श्रीराम का जीवन हमें यह शिक्षा देता है कि यदि जीवन में कुछ अप्रत्याशित भी घटता है तो उस पर अतिरिक्त प्रतिक्रिया न देकर नियति के निर्णय को सहज स्वीकार करना चाहिए। श्रीराम ने यह सिखाया की जीवन हमारे अनुसार नहीं बल्कि नियति के अनुसार चलता है। प्रजा की प्रसन्नता के लिए श्रीराम ने अपना सुख, नींद, चैन, सर्वस्व सहर्ष ही त्याग दी। श्रीराम ने शबरी की कुटिया में स्वयं जाकर यह सिद्ध किया कि यदि भक्त की भक्ति, प्रतीक्षा और विश्वास अडिग है तो प्रभु कभी उसे अस्वीकार नहीं करते। श्रीराम ने देवी अहिल्या को भी पाप के श्राप से मुक्त कर उनका उद्धार किया। श्रीराम की साधना तो सदैव भक्त का हित ही करती है। श्रीराम हमें पाप और संताप से पूर्णतः मुक्त कर सकते है। राम नाम हमें कुमति से सुमति प्रदान करता है। श्रीराम की प्रत्येक लीला मानव जीवन को साहस, धैर्य और त्याग को आत्मसात करने की प्रेरणा देती है।

राम नाम तो सभी अमंगल का हरण करने वाला है, इसलिए जब श्रीराम हृदय में वियरजमान हो जाते है तो सर्वत्र मंगल ही मंगल होता है। श्रीराम के अवतरण में छल-कपट कहीं भी दृष्टिगत नहीं होता है। राम नाम मन की पवित्रता और निर्मलता का कारक है और रामायण इस बात का साक्षी है कि यदि मन में श्रीराम की साधना दृढ़ हो तो श्रीराम का जीवन में आना निश्चित है। निश्छल भक्ति होने पर ही श्रीराम के चरण पखारने को मिलते है और प्रभु स्वयं चलकर अपने भक्त को यह सौभाग्य देते है। यह केवट का प्रसंग हमें सिखाता है। राम के जीवन में निर्मलता और सरलता का प्रवाह सर्वत्र विद्यमान था। मन का भाव ही श्रीराम की कृपा प्रदान करवाता है। जब श्रीराम ने पृथ्वी पर लीला समाप्त कर वापस प्रस्थान करने हेतु हनुमान जी से कहा तो हनुमान जी ने पूछा क्या प्रभु मुझे वहाँ श्रीराम कथा श्रवण करने को मिलेगी और यह जानकर ही उन्होने धरती पर निवास करने का निश्चय किया, इसी कारण वे सदैव श्रीराम कथा में उपस्थित रहते है, क्योंकि उन्हें राम नाम प्राणों से भी अधिक प्रिय है। राम नाम तो हमें जीवन में शाश्वत यश और आनंद प्रदायक है। श्रीराम के स्वरूप में सभ्यता, विचारधारा, संस्कृति एवं समानता का उत्कृष्ट रूप समन्वित है। राम नाम कि उत्कृष्टता तो उनके स्वरूप से भी अधिक है (राम से बड़ा राम का नाम)। राम का नाम तो इतना औदार्य है कि वो पात्र और अपात्र के निर्णयों में नहीं उलझता। वो तो सदैव कल्याण का मार्ग चयनित करता है। मन को निर्मलता की ओर प्रवाहित करता है। राम रक्षा स्तोत्र में भी उल्लेखित है कि यदि हमारे कर्म रूपी बीज यदि राम नाम के साथ प्रस्फुटित होंगे तो वे हमें अनंत सुख स्मृद्धि एवं सौभाग्य प्रदान करेंगे। इस राम नवमी के पावन अवसर पर यहीं प्रार्थना है कि सूर्यवंशी श्रीराम हम सभी पर अपनी शीतल कृपादृष्टि बनाए रखें और हमें जीवन में धैर्य, साहस और सरलता प्रदान करें, जिससे हम मानवयोनि में कल्याण को प्राप्त करें।

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है।भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अत- हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं।श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमस- परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है।

वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अत- मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अत- इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

विचार मंथन

ईरान युद्ध का भारत पर असर? रुपया पस्त, जीडीपी सुस्त, महंगाई जबरदस्त

(लेखक- सनत जैन)

इजरायल- अमेरिका ने ईरान के ऊपर एक साथ आक्रमण किया। ईरान पर इस युद्ध का जो असर पडना था, वह पड़ रहा है। अमेरिका और इजरायल के ऊपर युद्ध के जो परिणाम सामने आने थे, वह भी सामने आ रहे हैं। भारत इन दो पाटों के बीच में पिसता हुआ नजर आ रहा है। वैश्विक निवेश फर्म गोल्डमैन ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर जो रिपोर्ट जारी की है, वह चिंता बढ़ाने वाली है। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से भारत की जीडीपी में कमी आने तथा महंगाई बढ़ने की चेतावनी दी गई है। भारतीय अर्थ व्यवस्था में सबसे बड़ी गड़बड़ी डॉलर के मुकाबले रुपया गिरने के कारण हो रही है। कच्चा तेल, गैस एवं जो भी सामान भारत आयात करता है, उसकी कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। पेट्रोल-डीजल और गैस की कीमत बढ़ने का असर सभी चीजों पर पड़ेगा। जिसके कारण भारत में महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ाने की संभावना जताई जा रही है। भारत में खाद्य पदार्थ कच्चा तेल रासायनिक खाद तथा रोजाना उपयोग में आने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण इत्यादि के आयात से भारत की ज़रूरतें पूरी हो रही हैं। भारत का आयात लगातार बढ़ता चला जा रहा है। कच्चा तेल गैस इत्यादि का आयात पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ गया है। लगभग 85 फ़ीसदी कच्चा तेल और गैस आयात करनी पड़ रही है। आयातित वस्तुओं का अधिकांश भुगतान डॉलर मुद्रा में होने से भारत के ऊपर इसका जबरदस्त प्रभाव पड़ रहा है। भारतीय रुपए की गिरावट का असर डॉलर के अलावा अन्य मुद्राओं में भी देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट मे कहा गया है, रिजर्व बैंक आफ इंडिया को ब्याजदरों में वृद्धि करनी पड़ेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट चार फ़ीसदी तक आ सकती है। भारत का राजस्व चालू खाते का घाटा दो फ़ीसदी और भी बढ़ सकता है। कच्चे तेल और गैस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार मे कच्चे तेल की कीमतें न्यूनतम 105 डॉलर और अधिकतम 120 डॉलर प्रति बैरल की संभावना जताई गई है। इतना महंगा कच्चा तेल पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में था। पिछले 10 वर्ष में कच्चे तेल का भाव 60 से 70 डॉलर प्रति बेरल से अधिक कभी नहीं रहा। भारत में महंगा तेल आयात होने से विदेशी मुद्रा का संकट बढ़ेगा। राजकोषीय घाटा भी बढ़ेगा। इसके साथ-साथ महंगाई भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगी। अर्थव्यवस्था में लगभग एक से डेढ़ फ़ीसदी गिरावट की बात रिपोर्ट में कही गई है। इसका बड़ा असर कृषि क्षेत्र में भी पडने जा रहा है। खाद को लेकर अभी मारामारी थी। अभी जो नया संकट सामने आया है, उसके बाद खाद का संकट भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। जिसका असर कृषि उत्पादन में पड़ना तय है। पिछले चार माह में भारत का निर्यात व्यापार घटा है, जिसके कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जो बदलाव हो रहे हैं उसका भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सरकार ने कभी सोचा नहीं था, अमेरिका और इजरायल का ईरान पर हमला भारत के लिए इतना भारी पड़ेगा। वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार थोड़ा सजग और गंभीर हुई है। जिस तरह की स्थिति बन रही है, उसमे किसी को समझ नहीं आ रहा है, इस स्थिति से कैसे निपटा जाए। भारत पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका और इजरायल के ऊपर आंख बंद करके आश्रित था। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। वर्तमान स्थिति में भारत अलग-थलग पड़ गया है। भारत के कारोबारियों का बहुत बड़ा निवेश दुबई में है। इस युद्ध का असर दुबई में बड़े पैमाने पर देखने को मिल रहा है। खाड़ी के देशों में भारत के लगभग 90 लाख से ज्यादा लोग काम करते थे, जो भारत के लिए विदेशी मुद्रा में रकम भेजते थे। युद्ध होने के कारण भारत को खाड़ी देशों से जो विदेशी मुद्रा हर महीने आती थी, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में उसकी बड़ी अहमियत थी। प्रवासी भारतीयों द्वारा जो विदेशी मुद्रा भारत को भेजी जाती थी, उसमें लगातार गिरावट आ रही है। जिसके कारण भारत का विदेशी मुद्रा भंडार का संकट लगातार बढ़ता चला जा रहा है। ब्रिक्स संगठन मे शामिल देश डॉलर मुद्रा की दादागिरी से बाहर निकलना चाहते हैं। ट्रंप की दादागिरी के विरोध में प्रत्यक्ष रूप से रूस, चीन, उत्तर कोरिया और अन्य देश सामने आए हैं। वैश्विक व्यापार संधि का अमेरिका द्वारा उल्लंघन करना, मनमाने टैरिफ लगाकर, अमेरिका ने सारी दुनिया के देशों को अपना दुश्मन बना लिया है। ऐसी स्थिति में दुनिया के देश डॉलर के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में डॉलर का एकाधिकार था। दुनिया के अधिकांश देश डॉलर मुद्रा से बाहर निकलना चाहते हैं। ऐसे समय पर अमेरिका और इजरायल के ऊपर आश्रित होकर भारत ने अपना सबसे बड़ा नुकसान किया है। ब्रिक्स संगठन के अध्यक्ष पद पर भारत है। अभी तक भारत ने इसकी बैठक नहीं बुलाई है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के इस युद्ध में भारत की भूमिका मूकदर्शक की रही है। जिसके कारण भारत का सबसे बड़ा नुकसान होने जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एमजीएल ने पाइप्ड नेचुरल गैस के लिए ग्राहकों को दिए नए प्रोत्साहन

नए कनेक्शन पर मुफ्त गैस और छूट की सौगात

नई दिल्ली ।

महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मंगलवार को घरेलू ग्राहकों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई नई सुविधाओं की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि 16 मार्च से 30 अप्रैल तक नए कनेक्शन लेने वाले ग्राहकों को 500 रुपये तक की मुफ्त गैस मिलेगी। इसके अलावा, उन नई इमारतों में जहां पीएनजी की पैठ 60 प्रतिशत से अधिक है, प्रति ग्राहक 1,000 रुपये तक का बिल समायोजन किया जाएगा। एमजीएल वेब रजिस्ट्रेशन कराने वाले ग्राहकों को 500 रुपये का तत्काल डिस्काउंट भी मिलेगा, जबकि गैस न उपयोग करने की अवधि में न्यूनतम शुल्क माफ रहेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि जल्द ही शून्य अग्रिम रजिस्ट्रेशन शुल्क की सुविधा शुरू की जाएगी, जिसमें भुगतान केवल कनेक्शन मिलने के बाद करना होगा। व्यावसायिक ग्राहकों के लिए भी एमजीएल ने रजिस्ट्रेशन शुल्क माफ कर दिया है। इसके अलावा डाउनस्ट्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर का खर्च कंपनी खुद वहन करेगी। यह कदम पीएनजी को सभी प्रकार के ग्राहकों के लिए अधिक सुलभ और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। एमजीएल ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य पाइप्ड और कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना और सेवा के उच्च मानक बनाए रखना है। कंपनी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। एमजीएल के प्रबंध निदेशक आशू सिंघल ने कहा कि ये पहल प्राकृतिक गैस के दायरे को बढ़ाने और देश में स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

ईरान ने कहा, नये नियमों के तहत होर्मुज से निकल सकते हैं विदेशी जहाज

सुरक्षित आवाजाही के लिए जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा

नई दिल्ली।

ईरान ने कहा है कि विदेशी जहाज अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर सकते हैं, लेकिन उन्हें ईरानी नियमों का पालन करना होगा और किसी भी तरह की आक्रामक गतिविधियों में शामिल नहीं होना चाहिए। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह जानकारी ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन को भेजे गए 22 मार्च के एक पत्र में दी। पत्र के अनुसार सुरक्षित आवाजाही के लिए जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा। सूत्रों के मुताबिक ईरान ने कुछ व्यावसायिक जहाजों से ट्रांजिट शुल्क लेना भी शुरू कर दिया है। इस कदम से यह साफ संकेत मिलता है कि दुनिया के सबसे अहम समुद्री ऊर्जा मार्ग पर ईरान का नियंत्रण बढ़ रहा है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण इस जलमार्ग पर जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई थी, और फिलहाल केवल कुछ ही जहाज ईरान के तट के पास से होकर गुजर रहे हैं। ईरान ने स्पष्ट किया कि केवल गैर-शत्रुतापूर्ण जहाजों को अनुमति दी जाएगी। जहाजों को ईरान के खिलाफ किसी भी आक्रामक कार्रवाई में शामिल नहीं होना चाहिए और तय सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा। जिन देशों को ईरान आक्रामक मानता है, उनके जहाजों के गुजरने पर रोक रहेगी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का नियंत्रण तेल, गैस, खाद्य सामग्री और धातुओं की आपूर्ति पर सीधे असर डालता है। इस मार्ग पर व्यवधान से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी आई है। एशियाई देशों में गैस की कमी और ईंधन की राशनिंग की आशंका बढ़ी है। निवेशक स्थिति सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं, और आवाजाही बढ़ी तो तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है।

ग्लोबल संकेत पॉजिटिव और कच्चे तेल के दाम में गिरावट के कारण भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन निवेशकों के पोर्टफोलियो हरे निशान पर बंद,

सेंसेक्स 1205 अंक चढ़कर 75,273 पर बंद, निफ्टी में भी 394 अंक की तेजी रही,

दो दिन में निवेशकों को 18 लाख करोड़ की कमाई!

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में वॉर थमने के संकेत को देखते हुए कच्चे तेल के दाम में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। ग्लोबल ब्रेंट क्रूड ऑयल 4.34 प्रतिशत गिरकर 99.95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जो बाजार के लिए अच्छा संकेत है। इस कारण मंगलावार के बाद बुधवार को भी भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी आई। शेयर बाजार में तेजी के कारण बुधवार को निवेशकों ने जबरदस्त कमाई की। 24 मार्च को बीएसई मार्केट कैपिटलाइजेशन 422.78 लाख करोड़ रुपये था, जो बुधवार को बढ़कर 431 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी निवेशकों को 9 लाख करोड़ की कमाई हुई है। वहीं मगंलवार को भी करीब 9 लाख रुपये का इजाफा हुआ था। ऐसे में देखा जाए तो 2 दिनों के दौरान 18 लाख करोड़ की कमाई हुई है।बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 1205 अंक या 1.63 फीसदी चढ़कर 75273 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 394 अंक या 1.72 फीसदी उछलकर 23,306 पर क्लोज हुआ। निफ्टी बैंक में भी 1100 अंकों की तेजी आई। बीएसई टॉप 30 के 26 शेयरों में तेजी रही, जबकि 4 स्टॉक गिरावट पर बंद हुए। सबसे ज्यादा तेजी टाइटन के शेयरों में 4 फीसदी की रही। इसके साथ ही इंडिगो और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। बीएसई के 2,953 शेयरों में तेजी

देखने को मिली, जबकि 1,362 शेयरों में गिरावट रही। 67 शेयर 52 वीक के हाई पर और 245 शेयर 52 वीक के लो पर थे। 188 शेयरों में अपर सर्किट लगा और 173 शेयरों में लोअर सर्किट दिखाई दिया।

रुपया 18 पैसे टूटकर 93.94 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया पिछले दिन 23 पैसे टूटकर93.76 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 18 पैसे टूटकर 93.94 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से निवेशक चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों की मजबूत शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा में अधिक गिरावट को रोक दिया। उन्होंने बताया कि हालांकि पश्चिम एशिया संकट को लेकर अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय मुद्रा पर दबाव बना रखा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.94 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 18 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 23 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.76 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.28 पर रहा।

आंध्र प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को तेजी से पूरा करें- ऊर्जा मंत्री गोट्टिपाटी

ऊर्जा मंत्री ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगी

अमरावती ।

आंध्र प्रदेश के ऊर्जा मंत्री गोट्टिपाटी रवि कुमार ने निवेशकों से राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और उन्हें समय पर चालू करने का आग्रह किया है। मंत्रालय के अनुसार, सचिवालय में ब्रुकफील्ड-एक्सिस के प्रतिनिधियों और एनआरईडीकैप के अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। रवि कुमार ने कहा कि परियोजनाओं को बिना किसी देरी के पूरा करना निवेशकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। साथ ही, जमीनी स्तर पर आने वाली किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत सरकार को दी जाए ताकि उसका तत्काल समाधान किया जा सके। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि उपलब्धता, आधारभूत ढांचा और आवश्यक मंजूरियों सहित सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएँ। उन्होंने कहा कि निवेश में बाधा बनने वाली समस्याओं को सक्रिय रूप से दूर करना आवश्यक है और राज्य में सहज निवेश माहौल तैयार करना प्राथमिकता है। रवि कुमार ने कहा कि सरकार एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति के माध्यम से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित कर रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के दृष्टिकोण को दोहराया, जिसमें आंध्र प्रदेश को देश की 'बैटरी स्टोरेज कैपिटल' बनाने की योजना है। मंत्री ने यह भी कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उत्पन्न होंगे, जिससे राज्य में सतत विकास और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर 2 साल में 3 लाख करोड़ पार करने को तैयार

डिजिटल विज्ञापन ने अकेले 26 फीसदी की ग्रोथ के साथ 94,700 करोड़ का योगदान दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का मीडिया और एंटरटेनमेंट (एमएंडई) सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है और अगले दो साल में यह सवा 3 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर सकता है। फिक्की-ईवाई एम एंड ई की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडस्ट्री सालाना 7 फीसदी की दर से बढ़कर 2028 तक 3.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 में डिजिटल मीडिया और एंटरटेनमेंट ने सबसे बड़ा हिस्सा ले लिया। इसने 1 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। डिजिटल विज्ञापन ने अकेले 26 फीसदी की ग्रोथ के साथ 94,700 करोड़ रुपये का योगदान दिया। कुल विज्ञापन इंडस्ट्री 13.5 फीसदी बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो भारत की जीडीपी का 0.41 फीसदी है। लाइव इवेंट्स सेगमेंट ने साल 2025 में 44 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की। इसमें टिकट वाले इवेंट, शादियां, सरकारी और धार्मिक कार्यक्रम शामिल हैं। डिजिटल सब्सक्रिप्शन 60 फीसदी बढ़कर 16,300 करोड़ रुपये हो गया। भारत में 14.3 करोड़ घरों में 21.6 करोड़ पेड वीडियो सब्सक्रिप्शन मौजूद हैं, जो प्रीमियम फिल्मों और खेलों के कारण बढ़े। पेड म्यूजिक सब्सक्रिप्शन 37 फीसदी बढ़कर 1.44 करोड़ हो गए।

वीडियो गेम्स में अगस्त 2025 से लागू मनी गेमिंग बैन के कारण 17 फीसदी गिरावट आई।

प्रिंट मीडिया विज्ञापन में 2 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी के साथ स्थिर रहा। कुल विज्ञापन बाजार 1.11 लाख करोड़ से बढ़कर 1.55 लाख करोड़ रुपये हो गया।

डिजिटल विज्ञापन का हिस्सा बढ़कर 60 फीसदी तक पहुंच गया, और इस सेक्टर में 22 फीसदी से अधिक की ग्रोथ देखी गई।

घरेलू गैस बुकिंग में नए नियमए सालाना कोटा अब सख्त

पिछले सिलेंडर लेने के बाद अगले सिलेंडर के लिए 25 दिन इंतजार करना होगा

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने घरेलू गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। अब भारत पेट्रोलियम ;बीपीसीएलद्ध ग्राहकों को महीने में केवल दो सिलेंडर ही बुक करने की अनुमति देगा। इससे अधिक बुकिंग करने की कोशिश करने पर सिस्टम ऑटोमैटिक ब्लॉक कर देगा या कड़ी पूछताछ होगी।सरकार हर वित्तीय वर्ष ;अप्रैलदृमार्चद्ध में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर देती है। इसके अलावा ग्राहक साल भर में 3 अतिरिक्त सिलेंडर बिना सब्सिडी के ले सकते हैं। कुल मिलाकर एक कनेक्शन पर साल में 15 सिलेंडर ही उपलब्ध होंगे। पिछले नियमों के अनुसार दो सिलेंडरों के बीच 21 दिन का अंतर था। नए नियम के तहत अब यह अवधि बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। इसका मतलब है कि पिछले सिलेंडर लेने के बाद अगले सिलेंडर के लिए कम से कम 25 दिन इंतजार करना होगा। यदि ग्राहक का सालाना कोटा पूरा हो गया और फिर भी गैस चाहिएए तो उसे हैलो बीपीसीएल ऐप के माध्यम से आवेदन करना होगा। ऐप पर कारण बताना अनिवार्य होगाए जैसे शादीए फंक्शन या आने वाले मेहमान। कंपनी समीक्षा के बाद ही एक्स्ट्रा सिलेंडर देगी। सिलेंडर डिलीवरी के समय मोबाइल पर वन.टाइम पासवर्ड ;डीएसीद्ध अनिवार्य होगा। केवल रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही बुकिंग मान्य होगी। इसके अलावा ईकेवायसी पूरी होना जरूरी हैए नहीं तो सब्सिडी रुक सकती है और बुकिंग में परेशानी हो सकती है।

इंडिगो में प्रबंधन बदलाव, आलोक सिंह बने मुख्य रणनीति अधिकारी

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के पूर्व प्रमुख आलोक सिंह को अपना नया मुख्य रणनीति अधिकारी नियुक्त किया है। वह 6 अप्रैल 2026 से अपने पद पर कार्यभार संभालेंगे। यह कदम कंपनी की रणनीति को मजबूत करने और परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करने के प्रयास के तहत उठाया गया है। कंपनी के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने 10 मार्च 2026 से अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे का कारण दिसंबर 2025 में हुए गंभीर परिचालन संकट से उत्पन्न दबाव बताया गया है। इस बीच राहुल भाटिया, प्रबंध निदेशक, अंतरिम रूप से सीईओ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और संचालन की निगरानी कर रहे हैं। 3 से 5 दिसंबर के बीच कंपनी को 2500 से अधिक उड़ानें रद्द और लगभग 1800 उड़ानें विलंबित करनी पड़ीं, जिससे तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए।

इन्फोसिस बोर्ड के सामने बड़ा फैसला, पारिख का तीसरा कार्यकाल या नई शुरुआत?

- पारिख ने 2018 में कंपनी की कमान संभाली थी और कठिन दौर में इन्फोसिस को मजबूती प्रदान की

नई दिल्ली ।

इन्फोसिस के इतिहास में 2027 वर्ष महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, क्योंकि 31 मार्च को कंपनी के सीईओ सलिल पारिख का दूसरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है। पारिख ने 2018 में कंपनी की कमान संभाली थी और कठिन दौर में इन्फोसिस को स्थिरता और मजबूती प्रदान की। अब बोर्ड के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि तेजी से बदलते एआई के दौर में कंपनी का नेतृत्व कौन करेगा। सूत्रों के अनुसार पारिख को तीसरे कार्यकाल के लिए चुना जा सकता है, लेकिन यह शायद छोटा (1-2 साल) होगा। इसके विकल्प के रूप में बोर्ड उन्हें चेयरमैन बना सकता है और नए सीईओ की नियुक्ति कर सकता है। औपचारिक घोषणा जून में होने वाली वार्षिक आम बैठक में की जा सकती है। इन्फोसिस की सेवानिवृत्ति नीति के अनुसार कार्यकारी निदेशकों की उम्र 60 वर्ष है। पारिख पहले ही इस उम्र को पार कर चुके हैं, लेकिन बोर्ड और शेयरधारकों की मंजूरी से कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। एचएफएस रिसर्च के संस्थापक फिल फर्स्ट का कहना है कि पारिख का तीसरा कार्यकाल निवेशकों के लिए मिश्रित संदेश दे सकता है। एक ओर यह स्थिरता का संकेत देगा और पारिख के अनुभव, अनुशासन और निवेशकों व ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध को कायम रखेगा।

दूसरी ओर, कुछ निवेशक यह सवाल कर सकते हैं कि क्या इन्फोसिस तेजी से बदलते एआई युग में खुद को अनुकूल बना पा रही है। पारिख ने 2023-24 में एआई-प्रथम रणनीति लागू की और 2025-26 की तीसरी तिमाही में एआई-संबंधित राजस्व कुल आय का 5.5 फीसदी था। कंपनी ने दूरसंचार वित्तीय सेवाओं, विनिर्माण और सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में एआई समाधान विकसित करने के लिए एंथ्रोपिक के साथ साझेदारी की है।

उनके नेतृत्व में इन्फोसिस की आय 70,522 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.62 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 16,029 करोड़ से 26,713 करोड़ रुपये तक पहुँच गया।

इस दौरान 12-13 रणनीतिक अधिग्रहण भी हुए। 2027 इन्फोसिस के लिए नेतृत्व, निवेशक विश्वास और एआई-आधारित भविष्य रणनीति के लिहाज से निर्णायक साल साबित होगा। बोर्ड का फैसला कंपनी की दिशा और प्रतिस्पर्धा को तय करेगा।

एसएंडपी ने 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी किया

वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निजी खपत, निवेश एवं निर्यात वृद्धि के प्रमुख चालक रहेंगे। हालांकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ सकता है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर अपनी नवीनतम त्रैमासिक आर्थिक टिप्पणी में एसएंडपी ने कहा कि नए भू-राजनीतिक तनाव और लगातार बने व्यापार संबंधी अनिश्चितता के जोखिम से भारत पर वस्तु कीमतों, व्यापार मात्रा एवं पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव के माध्यम से असर पड़ सकता है। इसमें कहा गया कि यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो भारत में ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, ताकि सब्सिडी लागत को नियंत्रित किया जा सके। हालांकि कीमतों का पूरा असर उपभोक्ताओं तक पहुंचने के आसार नहीं हैं। एसएंडपी ने कहा कि हमारा अनुमान है कि 31 मार्च 2027 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.1 प्रतिशत रहेगी, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मजबूत निजी खपत, निजी निवेश में मध्यम सुधार और ठोस निर्यात इसके मुख्य चालक होंगे। एजेंसी ने 2025-26 के वृद्धि अनुमान को 0.4 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत और 2026-27 के लिए 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। एसएंडपी के अनुसार महंगाई के कम स्तर से सामान्य पर आने से वित्त वर्ष 2026-27 में इसके बढ़कर 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ऊंची कच्चे तेल की कीमतों से व्यापार घाटा बढ़ने का अनुमान है, हालांकि सेवाओं के व्यापार में मजबूत अधिशेष से चालू खाते के घाटे को सीमित रखने में मदद मिलेगी। एजेंसी का अनुमान है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) फिलहाल नीतिगत दरों को स्थिर रखेगा और रुख 'तटस्थ' बनाए रखेगा।

मारुति सुजुकी 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहन भेजने की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत करेगी- सीईओ

वित्त वर्ष 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की योजना वित्त वर्ष 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। वर्तमान में यह हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि मानेसर संयंत्र के अंदर रेल पटरी सुविधा (इन-प्लांट रेलवे साइडिंग) से जून 2025 में परिचालन शुरू होने के बाद से अब तक एक लाख वाहनों की ढुलाई (डिस्पैच) की जा चुकी है। इससे करीब 16,800 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन कम हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी ने रेलवे के जरिये 5.85 लाख से अधिक वाहनों की ढुलाई कर रिकॉर्ड बनाया। दिलचस्प बात यह है कि पिछले दशक में हमारी आउटबाउंड लॉजिस्टिक्स में रेल परिवहन की हिस्सेदारी 2016 के पांच प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 26 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि हमारी योजना 2030-31 तक रेल आधारित वाहन ढुलाई की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। यह कुशल और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स विकसित करने तथा भारत के शुद्ध शून्य लक्ष्य में योगदान देने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। कंपनी के अनुसार मानेसर रेलवे साइडिंग भारत में मोटर वाहन क्षेत्र की सबसे बड़ी इकाई के भीतर स्थापित रेलवे सुविधा है। वहीं गुजरात रेलवे साइडिंग के बाद यह मोटर वाहन उद्योग तथा कंपनी के लिए दूसरा पीएम गतिशक्ति इन-प्लांट टर्मिनल है। इस रेलवे साइडिंग के माध्यम से कंपनी 17 केंद्र के जरिये 380 शहरों तक वाहनों की आपूर्ति कर रही है, जिसके लिए समर्पित 'हब-एंड-स्पोक मॉडल' का उपयोग किया जा रहा है। रेलवे साइडिंग में हब-एंड-स्पोक मॉडल एक केंद्रीकृत माल ढुलाई प्रणाली है। इसमें प्रमुख रेलवे साइडिंग हब (केंद्र) के रूप में कार्य करती है, जहां दूर-दराज के स्थानों या छोटे स्टेशन (स्पोक) से माल सड़क मार्ग से लाया जाता है। केंद्र पर माल इकट्ठा कर रेल द्वारा आगे लंबी दूरी के लिए भेजा जाता है। इससे समय और लागत दोनों कम होते हैं।

एलपीजी बुकिंग समयसीमा में कोई बदलाव नहीं, सरकार ने अफवाहों को किया खारिज

35 नहीं, 25 दिन में ही मिलेगा शहरों में सिलिंडर

नई दिल्ली ।

हाल ही में सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियम बदल दिए गए हैं। इन दावों के अनुसार, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयवाय) कनेक्शन के लिए 45 दिन, गैर-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समयसीमा लागू की गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इसे भ्रामक और गलत बताया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि एलपीजी रीफिल बुकिंग की मौजूदा समयसीमा पहले जैसी ही रहेगी। शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की अवधि सभी प्रकार के कनेक्शनों पर समान रूप से लागू है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और अनावश्यक बुकिंग से बचें। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि देश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और कोई कमी की स्थिति नहीं है। सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं। सोमवार तक 18,700 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है। पेट्रोल और डीजल का भंडार भी पर्याप्त है और एक लाख से अधिक पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन का विस्तार भी तेजी से हो रहा है।

सिर्फ एक दिन में 7,500 नए कनेक्शन दिए गए हैं। मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि वे निगरानी और वितरण व्यवस्था को मजबूत करें, ताकि आपूर्ति पूरी तरह सुचारू बनी रहें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दक्षिण अफ्रीका ने जीती टी20 सीरीज, पांचवें मैच में न्यूजीलैंड को 33 रन से हराया

हेग्ले ओवल (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने हेग्ले ओवल में खेले गए पांचवें टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 33 रन से हराकर न सिर्फ मैच जीता है, बल्कि 3-2 से सीरीज अपने नाम कर ली है।

न्यूजीलैंड को इस मैच और सीरीज को जीतने के लिए 188 रन का लक्ष्य मिला था। बड़े लक्ष्य के दबाव और दक्षिण अफ्रीका की कसी हुई गेंदबाजी के सामने न्यूजीलैंड का टॉप ऑर्डर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सका। अच्छी शुरुआत नहीं मिलने की वजह से न्यूजीलैंड कभी भी जीत की तरफ जाती नहीं दिखी और 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 154 रन बना सकी।

कीवी टीम के लिए बेवोन जैकब्स ने 19 गेंदों पर 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से सर्वाधिक 36 रन की पारी खेली। इसके अलावा, टॉम रॉबिनसन ने 25 और डेन क्लिवर ने 22 रन की पारी खेली। कप्तान जिमी निशम ने 24 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए गेराल्ड कोएट्जी, ओटनिल बार्टमैन, और वियान मुल्डर ने 2-2, जबकि कप्तान केशव महाराज ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टोनी डे जॉर्जी 12 रन बनाकर पहले विकेट के रूप में 21 के स्कोर पर आउट हुए थे। दूसरे विकेट के लिए वियान मुल्डर और रूबिन हरमन ने 55 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूती दी। मुल्डर 29 गेंदों पर 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 31 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे विकेट के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन ने रूबिन हरमन के साथ 49 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 125 था, हरमन 31 गेंदों पर 39 रन बनाकर आउट हुए।

एस्टरहुइजन और डियान फोरेस्टर ने चौथे विकेट के लिए 27 गेंदों पर 61 रन की तूफानी साझेदारी की। एस्टरहुइजन 33 गेंदों पर 6 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हुए। फोरेस्टर 13 गेंदों पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट पर 187 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड की धरती पर पहली बार टी20 सीरीज जीती है।

मिचेलसन को हराकर मियामी ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचें सिनर

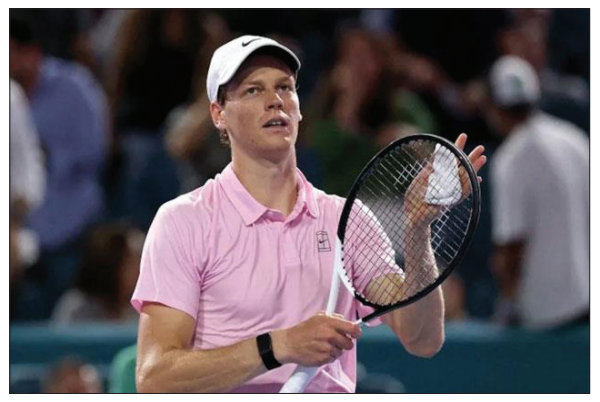

मियामी (एजेंसी)। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने अमेरिका के एलेक्स मिचेलसन को 7-5, 7-6(4) से हराकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ ही सिनर मियामी ओपन के अपने पहले पांच मुकाबलों में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि केवल यानिक नोह और स्टीफन एडबर्ग को हासिल हुई थी। सिनर ने दूसरे सेट में 2-5 से पीछे होने के बाद बेहतरीन वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। जीत के बाद

सिनर ने कहा कि अच्छी सर्विस के कारण ही वह जीत हासिल कर पाये हैं। साथ ही कहा कि खिताबी जीत के लिए अभी उन्हें काफी प्रयास करना होगा। इसके लिए उन्हें खेल का स्तर ऊंचा उठाना होगा। इसके लिए वह ब्रेक के दौरान अभ्यास करेंगे। वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पेन के युवा खिलाड़ी मार्टन ने भी बड़ा उलटफेर करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी सेबेस्टीयन कोर्डा को 2-6, 7-6(6), 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में स्थान बनाया। अब उनका सामना जिरी लेलेका से होगा। से होगा। लेलेका ने टेलर फिट्ज को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल हैं बुमराह के नाम

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का लक्ष्य नये रिकार्ड बनाना रहेगा। बुमराह ने आईपीएल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर उनकी गेंदबाजी में एक कमी भी रही है और वह ये कि बुमराह आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल फेकने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह ने अपने करियर में अब तक कुल 32 नो बॉल किये हैं। वहीं बुमराह के अलावा उमेश यादव 24 और ईशांत शर्मा 23भी इस सूची में शामिल हैं।

बुमराह ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए साल 2013 में पदर्पण के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। मुबई के लिए डेब्यू के बाद से ही वह इसी फ्रेंचाइजी के साथ हैं और वह टीम के सबसे मुख्य गेंदबाज बने हैं। इस लीग में अच्छे प्रदर्शन के बाद ही वह सबकी नजरों में आये थे। भारतीय टीम में उनके प्रवेश के पीछे भी आईपीएल में किया प्रभावी प्रदर्शन रहा है।

आईपीएल करियर की बात करें तो बुमराह ने अबतक कुल 145 मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने मुंबई के लिए 22.02 की औसत से कुल 182 विकेट लिए हैं। आईपीएल में बुमराह ने 2 बार 5 विकेट लिए है जबकि 3 बार 4 विकेट लिए हैं। मुम्बई की पांच बार की खिताबी जीत में भी उनके अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। केवल एक मामले में उनपर दाग लगा है और वह ये है कि उनके नाम सबसे ज्यादा नो बाल हैं। प्रवीण ने 2008 से 2017 के बीच कुल 119 मुकाबले खेल। इस दौरान उन्?होंने 420.4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 14 ओवर मेडन फेंके और 90 विकेट अपने नाम किए।

अमेलिया के अच्छे प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

सीरीज 4-1 से जीती

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। अमेलिया केर के ऑलराउंड प्रदर्शन से न्यूजीलैंड की महिला टीम ने यहं खेले गये पांचवें टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 92 रनों से हरा दिया। इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड की टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज को 4-1 से जीता। अमेलिया ने इस मैच में 105 रन बनाने के साथ ही दो विकेट भी लिए। इस मैच में अमेलिया के शतक से कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 194 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नो विकेट पर 102 रन ही बना सकी और

92 रनों से हार गई। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज इस मैच में कीवी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। केवल एनरी डकर्सन ही सबसे अधिक 23 रन बनाये। उनके अलावा सुने लूस ने 13 जबकि कायला रेनेके ने 10 रनों रन बनाये। अयाबोंगा खाका ने 12 रन बनाये। वहीं बचे हुए सात बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

न्यूजीलैंड की ओर से ताहिलिया तहूहू ने तीन विकेट जबकि सोफी डिवाइन और अमेलिया केर ने दो-दो विकेट लिए। वहीं नेंसी पटेल और फ़्लोरा डेवनशायर ने एक-एक विकेट लिया। आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने टॉस जीतकर कीवी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहला विकेट शुरुआत में ही 9 रन के स्कोर पर खो दिया पर अमेलिया एक छोर पर टिकी रहीं। वहीं जॉर्जिया प्लिमर ने 27 जबकि ब्रूक हैलिडे ने 26 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका और टुमी सेखुखुने ने तीन-तीन खिलाड़ियों को आउट किया।

कोको गाफ मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

फ्लोरिडा । अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। गाफ ने क्वार्टर फाइनल में स्विटजरलैंड की मेलिंडा बेनसिस को हराया। गॉफ ने इस मुकाबले के बीच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। मैच में गाफ ने पहला सेट 6-3 से जीता पर दूसरे सेट में उसे 1-6 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं तीसरे सेट में गाफ ने खराब शुरुआत से उबरते हुए जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबला 6-3, 1-6, 6-3 से अपने नाम किया । जीत के बाद गाफ ने कहा, यह एक कठिन मैच था। बेलिंडा काफी अच्छी खिलाड़ी हैं। इस मैच में जीत के लिए मुझे काफी संघर्ष करना पड़ा।अब सेमीफाइनल में गाफ का सामन चेक गणराज्य की केरोलिन मुचोवा से होगा। यह मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

आईपीएल में वापसी को तैयार हैं तेज गेंदबाज मयंक

लखनऊ (एजेंसी)। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण खेल से दूर रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल के इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। मयंक ने कहा कि पहले वह अपने शरीर पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे पर अब वह करियर को बचाने के लिए काफी सजग हैं। मयंक को कई बार चोट के कारण खेल से दूर होना पड़ा है। आईपीएल 2024 में चोट लगने से उन्हें बड़ा झटका लगा था। इसके बाद वह लगातार चोट से परेशान रहे और आईपीएल 2025 के शुरुआती मैचों के बाद बाहर हो गए।

अब वह बेंगलुरु के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में रिहैबिलिटेशन पूरा करके आईपीएल में वापसी को तैयार हैं। मयंक ने कहा, 'सर्जरी के बाद मेरे लिए सब कुछ बदल गया। पहले मैं अपना ध्यान नहीं रखता था। रिकवरी सत्र से बचता था और कई चीजों को नजरअंदाज करता था पर अब मैं रिकवरी, पोषण और नींद पर पूरा ध्यान देता हूं। जितना मैं अपने शरीर का सम्मान कर रहा हूं, उतना ही मेरा शरीर भी मैदान पर मेरा साथ दे रहा है।' मयंक ने कहा कि एनसीए में उनकी मुलाकात जसप्रीत बुमराह से हुई, जिन्होंने भी ऐसी ही सर्जरी कराई थी। उनके साथ मेरा अच्छा तालमेल है। उन्होंने इसको लेकर मुझे काफी सुझाव दिये जिनका मैं अब पालन कर रहा हूं। तब उन्होंने कहा था कि सर्जरी के बाद वापसी करने पर किन चीजों पर ध्यान देना चाहिए। इस बारे में उनके अनुभवों से मुझे सहायता मिली है। उन्होंने बताया कि रिकवरी के दौरान शरीर कैसा महसूस करेगा और इस कठिन समय का सामना कैसे करना है। मयंक का अब तक का करियर चोटों से प्रभावित रहा है। साल 2022 में आईपीएल में प्रवेश के दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें 20 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा था। दो सीजन बाद 2024 में उन्हें डेब्यू का अवसर मिला। इस गेंदबाज ने अपने डेब्यू मैच में ही 150 किमी की गति से गेंदबाजी कर सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने सत्र की सबसे तेज गेंद गेंद 156.7 किमी प्रति घंटे रफ्तार से फेंकी।

वैभव के पास अच्छा बल्लेबाजी कौशल : जितेश

मुम्बई । विकेटकीपर बल्लेबाज जीतेश शर्मा ने उभरते हुए युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। जितेश के अनुसार वैभव एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो हमेशा आक्रामक बल्लेबाजी पसंद करते हैं। उनके पास अच्छा कौशल है और वह आने वाले समय में विश्व क्रिकेट में छा सकते हैं। वैभव ने केवल 15 साल की उम्र में ही काफी कुछ हासिल कर लिया है। पहले आईपीएल में ही उन्होंने 35 गेंदों में शतक लगाकर सबको हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। इसके बाद भी इस बार आईपीएल में उनकी राह आसान नहीं रहेगी। इस बार उनकी कड़ी परीक्षा होगी। पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद अब सभी टीमों के गेंदबाज उनकी बल्लेबाजी का आंकलन कर उनाक कमजोर पक्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं और उन सभी का लक्ष्य उस क्षेत्र में गेंदबाजी करना रहेगा जिसमें वह कमजोर हैं। इस बार टीम में संजू सैमसन के नहीं होने से भी वैभव को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। ये भी हो सकता है कि उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है। वहीं दक्षिण अफ्रीक के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स ने कहा कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने वैभव को अंडर-19 में बल्लेबाजी करते हुए देखा है। डिविलियर्स ने कहा, जब आपको आईपीएल और बड़ी क्रिकेट लीग का अनुभव मिलता है और आप फिर भी उसी स्तर का प्रदर्शन करते हैं, तो यह आसान नहीं होता। उन्होंने जिस तरह से अंडर-19 विश्व कप में खेला, उससे मैं बहुत प्रभावित हुआ। मैं उनके खेलने के तरीके की बात कर रहा हूं। उन्होंने अपने गेम प्लान पर कायम रहते हुए खेला। जैसे उन्होने आईपीएल में खेला, वैसे ही वहां भी खेला।

हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में दोहरे नामांकन से खुद पर भरोसा मजबूत हुआ : गोलकीपर प्रिंस दीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी तक सीनियर टीम में पदार्पण नहीं करने के बावजूद हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में दो नामांकन पाने वाले युवा गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने कहा कि इससे उनका खुद पर भरोसा मजबूत हुआ है। सीनियर पुरूष राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास कर रहे 21 वर्ष के प्रिंस दीप को हॉकी इंडिया बलजीत सिंह वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और हॉकी इंडिया जुगराज सिंह वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये नामांकन मिला है। ये पुरस्कार शुक्रवार को यहां दिये जाएंगे।

प्रिंस दीप ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं और गर्व महसूस कर रहा है। ऐसे पुरस्कारों के लिये नामांकन पाने में समय लगता है लेकिन मुझे जल्दी मिल गया। टूर्नामेंटों में

अच्छे प्रदर्शन और शीर्ष गोलकीपरों के साथ अपना नाम देखकर काफी प्रेरणा मिल रही है।' उन्होंने कहा, 'भारत के पास बेहतरीन गोलकीपर हैं। उनके बीच नामांकन पाना और वह भी सीनियर टीम में पदार्पण से पहले, खास है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला है कि मैं सही रास्ते पर हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह इस सम्मान से मिला सबसे बड़ा तोहफा है। इससे खुद पर संशय नहीं रह गया और आगे अच्छा करने की प्रेरणा मिली है। अब मुझे पता है कि मैं सही राह पर हूं और लगातार सुधार करता रहूंगा।' प्रिंस दीप 2024 FIH जूनियर एशिया कप में स्वर्ण, जोहोर कप 2025 में रजत और पिछले साल चेन्नई में FIH जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीत चुके हैं।

पठानकोट के रहने वाले प्रिंस दीप ने शुरूआत फुल बैक के रूप में बटाला की चीमा हॉकी अकादमी में की थी। उन्होंने बताया, 'मैं फुटबॉल में गोलकीपर के रूप में खेलता था और कुछ अच्छे गोल बचाए। मेरे कोचों ने मेरा कद देखकर हॉकी में गोलकीपिंग का सुझाव दिया। वहीं से शुरूआत हुई।'

लिवरपूल को झटका, सालाह सीजन के आखिर में छोड़ देंगे टीम

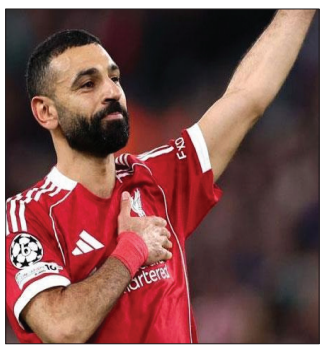

लंदन । मोहम्मद सालाह ने मंगलवार को घोषणा की कि वह सीजन के आखिर में लिवरपूल एफसी छोड़ देंगे, जिससे एनफील्ड में उनका शानदार समय खत्म हो जाएगा। 33 साल के इस खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में इस खबर को कन्फर्म करते हुए कहा, 'बदकिस्मती से वह दिन आ गया है। यह मेरे फेयरवेल का पहला हिस्सा है,' और फिर कहा, 'मैं सीजन के आखिर में लिवरपूल छोड़ दूंगा।' सालाह ने अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का नया कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, लिवरपूल ने कहा कि दोनों पार्टियों ने उनके भविष्य को लेकर 'एक एग्रीमेंट' कर लिया है जिससे वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। उनके अपने ऊंचे स्टैंडर्ड के हिसाब से, पिच पर यह एक मुश्किल कैंपेन रहा है। सालाह ने सभी कॉम्पिटिशन में 34 मैचों में 10 गोल किए हैं, जिससे 2017 में क्लब जॉइन करने के बाद से उनका सीज़न का सबसे कम गोल हो गया है। ऑफ-फील्ड दिक्कतों ने भी इसमें भूमिका निभाई है। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें 'बस के नीचे फेंक दिया' था और बताया कि हेड कोच आर्ने स्लॉट के साथ उनका रिश्ता टूट गया था। हालांकि जनवरी में उनके बाहर होने की अटकलें थीं, लेकिन अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद वह टीम में वापस आ गए। यह अभी साफ नहीं है कि सालाह अगले सीजन में कहां खेलेंगे। लिवरपूल ने कहा कि उन्होंने सपोर्टर्स के लिए 'सम्मान और आभार' दिखाने और अपने भविष्य के बारे में साफ जानकारी देने के लिए यह घोषणा जल्दी करने का फैसला किया।

शाकिब अल हसन की लंबे समय के लिए वापसी चाहते हैं बशर

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नये चयन पैनल के चेयरमैन हबीबुल बशर के आने के बाद टीम में ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की वापसी की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। बशर ने साफ किया कि वह न्यूजीलैंड सीरीज ही नहीं लंबे समय तक शाकिब को टीम में शामिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि फोकस शाकिब अभी देश में नहीं है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में रहेंगे या नहीं। साथ ही कहा कि वह ऐसा खिलाड़ी है जो स्वयं भी खेलना चाहेगा पर उसे भी तैयारी की जरूरत है। साथ ही कहा, मुझे नहीं लगता कि शाकिब एक सीरीज के लिए आएंगे और फिर चले जाएंगे। अगर हमें उनकी सेवाएं मिल सकती हैं तो हम चाहेंगे कि वह लंबे समय तक अपनी सेवा द दें। मुझे लगता है कि वह अभी दो साल खेल सकते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, कई लोग रिटायरमेंट की बात करते हैं, जैसे, हमने मुशफिकुर रहीम के संन्यास की बातें देखी हैं। मैंने कहा है कि वे जितना ज्यादा समय तक खेलेंगे, हमारे लिए उतना ही अच्छा होगा। हम उन्हें जितना ज्यादा टीम में शामिल कर सकते हैं, टीम के लिए उतना ही अच्छा होगा और जब हम उन्हें चुनते हैं, तो ऐसा नहीं होता कि वे आकर रिटायर हो जाएं। मैं उन्हें लंबे समय के लिए चाहता हूं, कम से कम उनके पास ऐसा प्लान हो कि वे 2027 विश्व कप खेल सकें। इसलिए मेरी योजना केवल एक सीरीज के लिए नहीं हैं। बशर ने कहा है कि उनका पहला ध्यान इस बात पर है कि बांग्लादेश की टीम एकदिवसीय विश्वकप के लिए सीधे क्वालीफाई करे। विश्वकप अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है।

नेपाल में जन्मे डिफेंडर भारती हांगकांग के खिलाफ एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारतीय शिविर में

नई दिल्ली । नेपाल में जन्मे डिफेंडर अबनीत भारती हांगकांग के खिलाफ एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारतीय सीनियर पुरूष टीम के कोच्चि में चल रहे शिविर में जुड़ गए हैं। इससे एक दिन पहले इसी मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया में जन्मे रियान विलियम्स को टीम में शामिल किया गया था। अब भारत के शिविर में पहली बार दो विदेश में जन्मे खिलाड़ी हैं जिन्हें हाल ही में भारतीय पासपोर्ट मिला है। विलियम्स बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला नहीं खेल सके थे क्योंकि फीफा से उन्हें मंजूरी देर से मिली। अब वह हांगकांग के खिलाफ 31 मार्च को भारत के लिए पदार्पण करेंगे। भारत 2027 में सउदी अरब में होने वाले एएफसी एशियाई कप की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है। अनुभवी डिफेंडर संदेश झिंगन अपने कैरियर के आखिरी पड़ाव पर हैं, ऐसे में टीम को अनवर अली के साथ भरोसेमंद सेंटर बैक की जरूरत है जो भारती हो सकते हैं। भारती अभी फीफा से मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। नेपाल में जन्मे भारती ने नाइजीरिया में स्कूली दिनों में गोलकीपर के रूप में शुरूआत की थी। भारत आने के बाद उन्होंने डिफेंडर के तौर पर खेलना शुरू किया और बीजीएस इंटरनेशनल स्कूल तथा शास्त्री एफसी के लिए खेले। सिंगापुर में गेलांग इंटरनेशनल के साथ अभ्यास करने के बाद वह स्पेन में रीयाल वाल्लाडोलिड अकादमी से जुड़े। उन्होंने जर्मनी में भी चयन ट्रायल दिए थे। वह 2019 में केरला ब्लास्टर्स के साथ जुड़े लेकिन करार नहीं हो पाया। इसके बाद से वह चेक गणराज्य में और उधार पर किर्गीस्तान, पनामा, अर्जेंटीना और अब बोलिविया में खेलते रहे हैं।

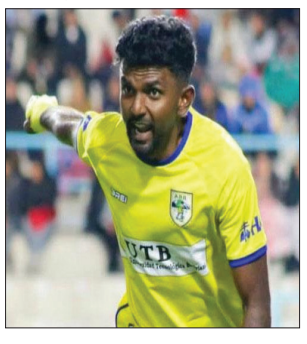

आईपीएल में प्रशांत वीर सहित इन उभरते हुए खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार प्रशांत किशोर सहित पांच उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिलेगा। ऐसे में ये सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने के इरादे से उतरेंगे। आईपीएल एक ऐसा मंच है जिसपर उभरती प्रतिभाओं को अवसर मिलता रहा है और ये ही इस बार भी हो रहा है।

प्रशांत वीर : चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने प्रशांत को 14.2 करोड़ रुपये की मोटी रकम में खरीदकर सबको हैरान कर दिया था। प्रशांत निचले क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही वह बाएं के एक अच्छे स्पिनर हैं। जिसकी घूमती हुइ गेंदों का सामना करना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। प्रशांत को ऑलराउडर रविन्द्र जडेजा की कमी करने शामिल किया गया है। ऐमें सभी की नजरें उनपर रहेंगी। यूपी टी20 लीग 2025 में प्रशांत ने 155 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 320 रन बनाए थे, जबकि 6.69 की इकोनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट भी निकाले थे।

कार्तिक शर्मा: कार्तिक को चेन्नई सुपर किंग्स ने नीलामी में 14.2 करोड़ की मोटी रकम लगाकर खरीदा है। कार्तिक विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण सभी की नजरों में आये। लंबे-लंबे छक्के लगाना कार्तिक की खूबी है।

आकिब नबी डार: तेज गेंदबाज आकिब नबी की शानदार गेंदबाजी से जम्मूकश्मीर पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने में सफल रही। आकिब इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते नजर आयें। अब देखना है कि वह इमसें कितना प्रभावित करते हैं।

मुकुल चौधरी: विकेटकीपर-बल्लेबाज मुकुल चौधरी लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से उतरेंगे। मुकुल राजस्थान की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इस घरेलू सीजन में उन्होंने 5 पारियों में 200 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 173 रन बनाए थे। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण मैच विजेता माने जाते हैं।

अशोक शर्मा: अशोक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली में 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए सभी का ध्यान खींचा था। इस टूर्नामेंट में अशोक ने 10 मुकाबलों में कुल 22 विकेट लिए थे। अब वह लीग में गुजरात टाइटंस की ओर से नजर आएंगे। अशोक को अगर मौका मिला, तो वह जरूर इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इन अजीबोगरीब इमारतों को देखकर आप भी हो जाएंगे हैरान,

किसी का जूते तो किसी का टोकरी जैसा है आकार

दुनिया भर में कई ऐसी अजीबोगरीब और विचित्र जगहें हैं जिन्हें देख कर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी कई जगह है जहां की विचित्र निर्माण शैली को देखकर आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि बनाने वाले ने खूब बनाया है। इन्हें एक बार देखने के बाद आपका भी मन करेगा कि इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जाए। आज के इस लेख में हम आपको दुनिया की सबसे विचित्र और अनोखी इमारतों के बारे में बताने जा रहे हैं –

उल्टा चर्च

कनाडा के कैलेग्री में स्थित चर्च को देखकर को देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। यह चर्च देखने में उल्टा लगता है, जिसके कारण इसका नाम डिवाइस टू रूट आउट डेविल रखा गया है। इसका मतलब 'शैतान को जड़ से उखाड़ने का यंत्र।' इस चर्च की ऊंचाई करीब 7 मीटर और चौड़ाई 3 मीटर है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के बीच यह चर्च आकर्षण का केंद्र है।

नाचता मकान

नीदरलैंड में स्थित एक घर को देखकर आपको ऐसा लगेगा कि मकान नाच रहा है। इस अनोखे मकान का नाम दो प्रसिद्ध डांसर फ्रेड एस्टेयर और जिंजर रॉजर्स के नाम पर रखा गया है। इस इमारत के दो हिस्से हैं। पहले भाग को शीशे से बनाया गया है, वहीं दूसरा हिस्सा सीधा है। इस मकान में कुल 9 मंजिलें हैं।

टोकरी जैसा ऑफिस

ओहियो के नेवार्क शहर में एक ऑफिस का आकार लकड़ी की टोकरी जैसा है। यह इमारत लॉन्ग बर्गर का मुख्यालय है, जो की लकड़ी की टोकरी बनाने वाली एक कंपनी थी। इस इमारत का निर्माण 1997 में हुआ था। इसके सात मंजिलों के निर्माण में लगभग 3 करोड रुपए खर्च हुए थे। इस इमारत में ऊपर स्टील के दौरान जल दिए गए हैं और नीचे की टोकरी का आकार है।

जूते के आकार का घर

पेंसिलवेनिया जाने वाले पर्यटकों को हैंस शू हाउस को जरूर देखना चाहिए। इस घर का आकर जूते की तरह है। यह विचित्र इमारत हेलन टाउनशिप में स्थित है। दुनियाभर से पर्यटक इस बिल्डिंग को देखने आते हैं।

पुस्तकालय के आकार की इमारत

यूनाइटेड स्टेट्स के मिजूरी में कंसास सिटी एक पुस्तकालय के आकार की है। इसे बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि कई सारी किताबें रखी गई हों। इस अनोखी इमारत का आकार 25 से 9 फीट है। इस लाइब्रेरी की दक्षिणी दीवार पर 22 किताबों के अनोखे डिजाइन को इमारत बनाया गया है।

गर्मी में घूमने के लिए यह हैं बेहतरीन जगहें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं–

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें :

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें :

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें :

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें :

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुड़ी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

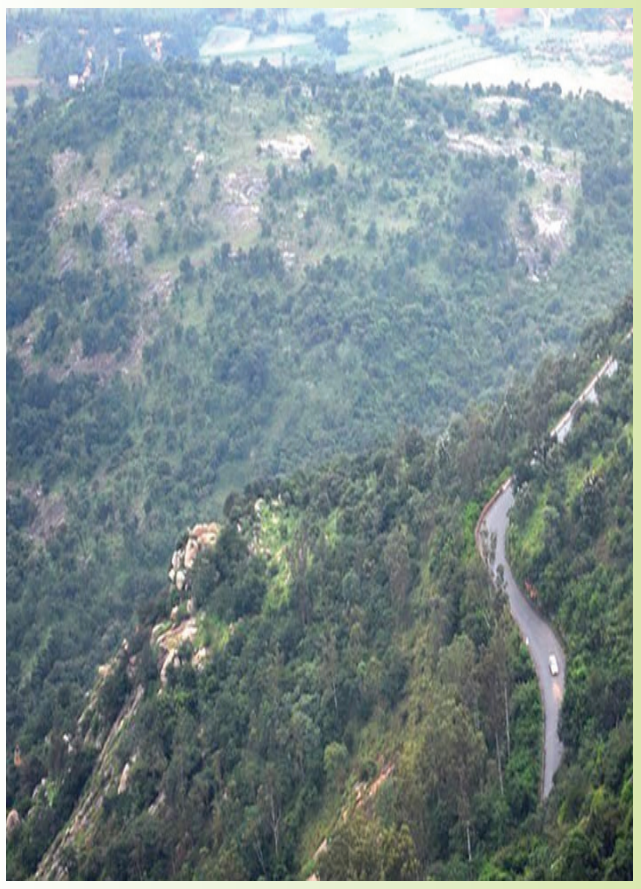

कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन, एक बार जरूर जाएं घूमने

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं–

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्मश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयारण्य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों– तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

गर्मियों की छुट्टियों में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो भूलकर भी इन जगहों पर न जाएं वरना पड़ेगा पछताना

हर साल गर्मियों की छुट्टी में लोग कहीं ना कहीं घूमने जाते हैं। यह एक ऐसा समय होता है जब आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताते हैं और खूब मौज मस्ती करते हैं। ऐसे में गर्मियों की छुट्टियों में भारत की कई जगहों पर सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन गर्मियों में कहीं भी घूमने का प्लान बनाने से पहले वहां का तापमान जरूर देख लें। गर्मियों में तेज धूप और लू में कहीं बाहर घूमना किसी सिरदर्द से कम नहीं है। ऐसा में अगर आप किसी ऐसी जगह घूमने का प्लान बना लेते हैं जहां भीषण गर्मी होती है तो आपका समय और पैसा दोनों बर्बाद होंगे। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि गर्मियों में कहां जाने से बचना चाहिए –

आगरा, उत्तर प्रदेश

वीकेंड ट्रिप के लिए लोग अक्सर आगरा घूमने का प्लान बनाते हैं। यहाँ पर मौजूद दुनिया के सातवें अजूबे को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। आगरा में घूमने के लिए और भी कई बेहतरीन जगहें हैं। लेकिन गर्मी में यहाँ घूमना आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। दरअसल, गर्मियों के मौसम में आगरा का तापमान बहुत बढ़ जाता है। तेज धूप में संगमरमर से बना ताजमहल भी तपने लगता है और आप कहीं बाहर भी नहीं घूम सकते हैं। इसलिए यहाँ गर्मियों में जाने का प्लान ना ही बनाएं।

जैसलमेर, राजस्थान

राजस्थान का जैसलमेर न केवल भारतीय बल्कि विदेशी पर्यटकों की लिस्ट में भी शामिल है। जैसलमेर को गोल्डन सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर साल दुनिया भर से लाखों पर्यटक आते हैं और सफारी का लुफ्त उठाते हैं। खाना की गर्मियों में जिप्सी गिरी शहर में घूमना काफी कठिन हो सकता है। गर्मियों में जैसलमेर का टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है। इतनी भीषण गर्मी में जैसलमेर की यात्रा करना अच्छा आइडिया नहीं है।

गोवा

घूमने के शौकीन लोगों की लिस्ट में गोवा का नाम सबसे ऊपर आता है। यहां लोग अपने दोस्त या पार्टनर के साथ मौज मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। यहां के खूबसूरत बीच, नाइटलाइफ और खुला माहौल युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन गर्मियों के मौसम में गोवा घूमने का प्लान बनाने से पहले एक बार जरूर सोच लें। गर्मियों में तेज धूप में आप ठीक तरह से घूम नहीं पाएंगे और आपके पैसे सिर्फ बर्बाद ही होंगे।

चेन्नई, दक्षिण भारत

दक्षिण भारत का चेन्नई शहर घूमने के लिहाज से बेहतरीन है। यहां कई सारे मंदिर, बीच और अन्य दार्शनिक स्थल हैं। लकी गर्मियों में यहां का पर बहुत अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में चेन्नई में घूमना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आप गर्मियों में चेन्नई घूमने का प्लान ना ही बनाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुरी जगन्नाथ मंदिर में रत्न भंडार की गिनती शुरू, वीडियो-3डी मैपिंग से तैयार होगा रिकॉर्ड

आभूषणों और कीमती वस्तुओं की गिनती और सत्यापन बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे में होगा

पुरी।

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार में रखे बहुमूल्य आभूषणों और खजाने की सूची तैयार करने की लंबे समय से प्रतीक्षित प्रक्रिया बुधवार से शुरू हुई। प्रशासन ने इसके लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है और पूरे कार्यक्रम को तय शुभ मुहूर्त में पूरा किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक सूचीकरण दल के रत्न भंडार में प्रवेश के लिए दोपहर 12:09 बजे से 1:45 बजे तक का समय तय किया। इसी दौरान आभूषणों और अन्य कीमती वस्तुओं की गिनती और सत्यापन किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे में होगी।

सूचीकरण के दौरान वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और 3डी मैपिंग कर सभी वस्तुओं का रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। सबसे पहले रत्न भंडार में रखी चल संपत्तियों की गिनती होगी, जिसके बाद वर्ष 1978 में तैयार सूची से मिलान कर सत्यापन किया जाएगा। मानक प्रक्रिया के तहत सोने के आभूषणों को पीले मखमली कपड़े में लपेटकर टिन के डिब्बों में रखा जाएगा और फिर संदूक में सुरक्षित किया जाएगा। चांदी के आभूषण सफेद या चांदी रंग के कपड़े में रखे जाएंगे, जबकि अन्य कीमती वस्तुओं को लाल मखमली कपड़े से ढककर संरक्षित किया जाएगा।

मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञों की टीम बनाई गई है, जिसमें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के दो विशेषज्ञ, यूको बैंक का एक प्रतिनिधि और मंदिर के पारंपरिक स्वर्णकार शामिल हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि सूचीकरण की प्रक्रिया त्योहार, विशेष अवसर, शनिवार और रविवार को नहीं की जाएगी। इस दौरान श्रद्धालुओं को बैरिकेडिंग के बाहर से ही भगवान के दर्शन की अनुमति होगी।

एलपीजी गैस मामले को लेकर विपक्ष ने किया जोरदार प्रदर्शन, सदन में चर्चा की मांग

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान बुधवार सुबह लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी दलों ने एलपीजी गैस संकट और बढ़ती कीमतों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संसद भवन के मकर द्वार पर एकत्रित हुए विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आम जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ का मुद्दा उठाया।प्रदर्शन कर रहे विपक्ष का कहना है कि रसोई गैस की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। उन्होंने सरकार से इस विषय पर तत्काल सदन में चर्चा कराने की मांग की। विपक्ष का आरोप है कि सरकार जनहित के मुद्दों से ध्यान भटका रही है और महंगाई पर नियंत्रण पाने में विफल रही है। विदेश मामलों में सरकार की नीति विफल होने का मामला भी तूल पकड़ रहा है। जंग के इस माहौल में तेल और गैस संकट को लेकर भी सरकार विपक्ष के निशाने पर है।

ग्वालियर से गिरफ्तार हुए आप विधायक पठानमाजरा.....अब लाए जा रहे पटियाला

पटियाला।

पंजाब में पटियाला पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा को मध्यप्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार किया है। पठानमाजरा पिछले साल सितंबर से बलात्कार मामले में फरार थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पटियाला, वरुण शर्मा ने इसकी पुष्टि कर बताया कि उन्हें अब वापस पटियाला लाया जा रहा है, जहां स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

बात दें कि पठानमाजरा सनौर से विधायक चुने गए थे और उनके खिलाफ सिविल लाइंस थाने में 1 सितंबर 2025 को दुष्कर्म, धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी देने के आरोप दर्ज हुए थे। यह शिकायत जीरकपुर की एक महिला ने दर्ज कराई थी। महिला ने आरोप लगाया कि विधायक ने खुद को तलाकशुदा बताकर उसके साथ संबंध बनाए और 2021 में उससे शादी की, जबकि वह पहले से विवाहित थे। महिला ने लगातार यौन शोषण, धमकी और ''अश्लील'' सामग्री भेजने का भी आरोप लगाया। फरार होने के बाद पठानमाजरा को भगौड़ा घोषित कर दिया गया और उनके खिलाफ 'लुक-आउट नोटिस' जारी किया। पहले, पंजाब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने हरियाणा के करनाल गई थी, लेकिन वह भाग गए थे। करनाल के डाबरी गांव में उनके एक रिश्तेदार के घर पर पहुंची पुलिस पर कथित तौर पर समर्थकों ने

गोलीबारी और पथराव किया। पठानमाजरा ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि उन्हें डर था कि उन्हें ''फर्जी मुठभेड़'' में मार दिया जाएगा, इसलिए उन्होंने भागने का निर्णय लिया। अब पठानमाजरा को न्यायिक प्रक्रिया के तहत अदालत में पेश किया जाएगा और उनके खिलाफ दर्ज मामलों की जांच आगे बढ़ेगी। यह गिरफ्तारी पंजाब पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

ईंधन संकट को लेकर देशभर में अफरा-तफरी का महौल, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें

सरकार ने कहा– अफवाहों पर ध्यान न दें, पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता

लोगों से पैनिक खरीदारी नहीं करने की अपील

नई दिल्ली।

देश के कई हिस्सों में पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर फैली अफवाहों ने आमजन में घबराहट पैदा कर दी है। नोएडा, हैदराबाद, नागपुर सहित मध्य प्रदेश के कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर सुबह से ही लंबी कतारें देखने को मिलीं। लोग डिब्बों और बोतलों में भी ईंधन भरवाने के लिए उमड़ पड़े, जिससे कई स्थानों पर अस्थायी रूप से स्टॉक खत्म होने की स्थिति बन गई। अनेक जगहों पर तो स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कई पंपों पर 'नो स्टॉक' के बोर्ड लगाने पड़े, हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह वास्तविक कमी नहीं, बल्कि अचानक बढ़ी मांग का परिणाम है। अधिकारियों के अनुसार, देश में ईंधन की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। यहां मध्य प्रदेश के उज्जैन, इंदौर, देवास, मंदसौर, बुरहानपुर और झाबुआ में भी यही हाल देखने को मिला। उज्जैन में तो मंगलवार रात से ही लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी, जिसके चलते कई पंपों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा और स्थिति संभालने के लिए पुलिस बल

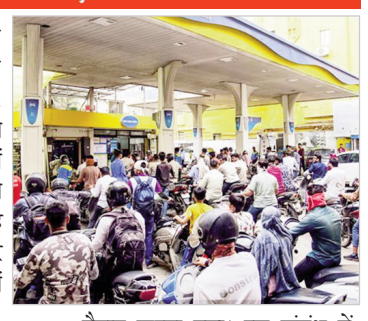

तैनात करना पड़ा। इस संबंध में प्रट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि अफवाह फैली है कि जल्द ही पेट्रोल पंप बंद हो सकते हैं, जिसके कारण लोग घबराहट में जरूरत से ज्यादा ईंधन खरीद रहे हैं। हैदराबाद और नागपुर में भी सप्लाई सामान्य रहने के बावजूद लोगों की भीड़ कम नहीं हो रही है।

अजित पवार मौत मामले में बेंगलुरु में जीरो पर एफआईआर दर्ज, रोहित का आरोप

मुंबई पुलिस और महाराष्ट्र सीआईडी से संपर्क किया था, नहीं की एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर उनके भतीजे और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार की शिकायत पर दर्ज हुई है। उन्होंने हादसे को आपराधिक साजिश बताया है। उन्होंने एफआईआर में पांच मुख्य आरोप लगाए हैं। रोहित ने कहा कि उन्होंने मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन, बारामती पुलिस और महाराष्ट्र सीआईडी से संपर्क किया, लेकिन कहीं भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने 23 मार्च को बेंगलुरु में जीरो पर एफआईआर दर्ज कराई। जहां अपराध हुआ है उसे छोड़कर देश के किसी भी थाने में उस अपराध की एफआईआर दर्ज कराई जाती है तब उसे जीरो एफआईआर कहते हैं। इसे फिर संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाता है। कर्नाटक पुलिस ने मामला दर्ज कर इसे महाराष्ट्र पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है। दरअसल, 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत हुई थी। आधिकारिक लॉग में विमान का रन टाइम 4,915 उड़ान घंटे दर्ज हैं, जबकि दावा है कि विमान ने 8,000 घंटे से ज्यादा उड़ान भरी है। कम विजिबिलिटी के बावजूद विजुअल फ्लाइट रूल्स के तहत विमान को लैंडिंग की अनुमति दी गई। आखिरी समय पर क्रू बदला गया और पायलट सुमित कपूर को शामिल किया गया। हादसे से कुछ समय पहले वीएसआर वेंचर्स ने पायलट सुमित कपूर के नाम पर लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी ली थी। पायलट सुमित कपूर पहले शराब से जुड़े मामलों में निलंबित रह चुके हैं। रोहित पवार ने वीएसआर एविएशन कंपनी पर सवाल उठाते हुए कहा कि 2023 में नया विमान खरीदने का टेंडर रद्द हो गया था। अगर नया विमान खरीदा गया होता तो यह हादसा नहीं होता। उन्होंने कहा कि कहा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखा था, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

ईरान जंग का चुनाव पर असर, मिडिल ईस्ट में रहते हैं केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग

वोट डालने यूएई, सऊदी अरब, कुवैत समेत कई देशों से भारत आते हैं केरलवासी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान युद्ध का असर भारत में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी पड़ सकता है। खाड़ी देशों में भारतीयों के फंसे होने के कारण वोटर संख्या प्रभावित हो सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर केरल पर पड़ेगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि मिडिल ईस्ट में केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऑब्जर्वर्स का कहना है कि इसका असर मतदाताओं की संख्या पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि संख्या निर्णायक नहीं होगी, लेकिन कुछ इलाकों में इनका असर दिखेगा। वोट डालने के लिए यूएई, सऊदी अरब, कुवैत समेत कई देशों से केरलवासी भारत आते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मतदाताओं की संख्या का असर खासतौर से उत्तर केरल में नजर आएगा। इसके चलते मलप्पुरम, कोझिकोड और कासरगोड जिलों में असर देखा जा सकता है। साथ ही पलक्कड़ और थ्रिसूर कुछ प्रभावित हो सकते हैं। माना जा रहा है कि आईयूएमएल यानी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को इस वोटर का सबसे ज्यादा फायदा होता है। आईयूएमएल कांग्रेस की अगुवाई वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का हिस्सा है। पार्टी के महासचिव पीएमए सलाम का कहना हैं कि कई लोग वोटिंग के लिए वापस नहीं आ पाएंगे। हमारे केएमसीसी सदस्य खाड़ी देशों में अधिकारियों से बात कर रहे हैं, लेकिन हालात सामान्य नहीं हुए तो मतदाताओं की संख्या कम रहेगी। सीपीआई से राज्यसभा सांसद संदोश कुमार पी कहते हैं कि उत्तर केरल में कुछ ही क्षेत्र हैं, जहां खाड़ी में रहने वाले मतदाताओं का संख्या ज्यादा है। आमतौर पर ये सीटें जीत के बड़े अंतर वाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यूएई केरल मुस्लिम कल्चरल सेंटर के अध्यक्ष पुथूर रहमान बताते हैं कि हम यूएई से आमतौर पर 8 चार्टर्ड फ्लाइट्स की तैयारी करते हैं।

कर्नाटक में छात्रों के लिए स्क्रीन टाइम एक घंटे तय, शाम 7 बजे के बाद इंटरनेट बंद

सरकार ने 9वीं से 12वीं के छात्रों के डिजिटल इस्तेमाल को लेकर जारी की ड्राफ्ट पॉलिसी

बेंगलुरु।

कर्नाटक सरकार ने 9वीं से 12वीं के छात्रों के डिजिटल इस्तेमाल को लेकर ड्राफ्ट पॉलिसी जारी की है। इसमें सिफारिश की गई है कि पढ़ाई के अलावा मनोरंजन के लिए स्क्रीन टाइम रोजाना एक घंटे तय किया जाए। शाम 7 बजे के बाद इंटरनेट बंद करने की भी सिफारिश की गई है। ड्राफ्ट में कहा गया है कि छात्रों को सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन से दूर रखा जाए। मोबाइल के लिए 'चाइल्ड प्लान' का सुझाव दिया, जिसमें ऑडियो-ओनली विकल्प और तय समय के बाद इंटरनेट बंद करने की व्यवस्था होगी। उम्र के हिसाब से डिवाइस और ऑपरेटिंग सिस्टम डेवलप करने की भी बात कही है।

सरकार के मुताबिक करीब 25फीसदी किशोरों में इंटरनेट की लत है, जिससे नींद की कमी, चिंता और ध्यान भटकने जैसी समस्याएं हो रही हैं। इसको देखते हुए यह पॉलिसी लाई गई है। डिजिटल वेल-बीइंग और ऑनलाइन सुरक्षा पढ़ाई का हिस्सा बनेगी। साइबर बुलिंग, प्राइवेसी और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार पढ़ाया जाएगा। हर स्कूल डिजिटल उपयोग नीति लागू करेगा। डिजिटल डिटॉक्स डे और टेक-फ्री पीरियड होंगे। छात्रों से संपर्क के लिए वॉट्सऐप की जगह डायरी अपनाई जाएगी। स्कूलों में काउंसलिंग मजबूत होगी, शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी ताकि वे डिजिटल लत के संकेत पहचान सकें और जरूरत पड़ने पर बच्चों को विशेषज्ञों तक पहुंचाया जा सके।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका भी तय की जाएगी। शिक्षक बच्चों के डिजिटल व्यवहार पर नजर रखेंगे और मार्गदर्शन देंगे। अभिभावक घर में स्क्रीन टाइम तय करेंगे, नो-फोन जोन बनाएंगे और खुद उदाहरण पेश करेंगे। एआई के यूज पर गाइडलाइन बनेगी। स्कूल एआई के इस्तेमाल

पर नियम तय करेंगे, होमवर्क में इसके इस्तेमाल को नियंत्रित करेंगे और नकल रोकने के लिए सिस्टम विकसित करेंगे। यह पॉलिसी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने कर्नाटक स्टेट मेंटल हेल्थ अथॉरिटी, निमहांस और शिक्षा विभाग ने मिलकर तैयार की है। यह प्रस्ताव सीएम सिद्धारमैया के 6 मार्च को जारी बजट में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर सख्ती के ऐलान से अलग है।

कर्नाटक सरकार ने पिछले दिनों 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने का ऐलान किया था। कर्नाटक ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है। सीएम सिद्धारमैया ने बजट भाषण के दौरान कहा कि बच्चों में मोबाइल और सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे उन पर गलत असर पड़ रहा है।

बंगाल पहुंचे औवेसी ने कहा, लोग घुटन महसूस कर रहे.....ये गठबंधन उन्हें विकल्प देगा

एआईएमआईएम और जनता उन्नयन पार्टी के बीच हुए गठबंधन

कोलकाता। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल के लोग घुटन महसूस कर रहे हैं और उनकी पार्टी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन किया हैं, ताकि बंगाल की जनता को वह विकल्प दे सके जिसकी उन्हें बीते कई सालों से तलाश हैं। कबीर के साथ कोलकाता में प्रेसवार्ता को संबोधित कर ओवैसी ने दावा किया कि बंगाल में अल्पसंख्यकों का विकास बड़ा मुद्दा है। राज्य में अगले माह चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा, ''एआईएमआईएम बंगाल के कमजोर वर्गों के शोषण को रोकने के लिए हुमायूं कबीर के साथ हाथ मिला रही है।

2034 के बजाय 2029 में ही महिला आरक्षण लागू करना चाहती है सरकार

50फीसदी सीटें बढ़ाने का फॉर्मूला तैयार! गृहमंत्री शाह ने की छोटे दलों के साथ बैठक

नई दिल्ली।

बीजेपी सरकार 2034 के बजाय, देश में महिला आरक्षण अधिनियम को 2029 से लागू करने के बारे में विचार कर रही है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण लाने पर विचार-विमर्श चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सीटों में बढ़ोतरी के लिए 50फीसदी स्ट्रेट जैकेट फॉर्मूला प्रस्तावित है। गृह मंत्री अमित शाह नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने की प्रक्रियाओं को पारित कराने के लिए पार्टियों के छोटे समूहों के साथ बैठकें कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 23 मार्च को गृह मंत्री ने एनसीपी-एसपी, शिवसेना (यूबीटी), एआईएमआईएम और वॉयएसआरसीपी के सदस्यों के साथ बैठक की। बीआरएस आखिरी समय में सूचना मिलने के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सकी। सुप्रिया सुले, अरविंद सावंत, असदुद्दीन ओवैसी और मिधुन रेड्डी उन सदस्यों में शामिल थे जिन्होंने गृह मंत्री के साथ बैठक में भाग लिया।

सरकार तीन बड़े संशोधन की तैयारी कर रही है। सरकार की राय है कि 2034 की समय सीमा के बजाय, महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनावों से ही लागू किया जाए। सदस्यों को बताया गया कि केंद्र को 2027 तक जनगणना पूरी होने की उम्मीद थी। इससे 2028 तक परिसीमन प्रक्रिया पूरी हो जाती और दूसरी प्रक्रियाएं उसके बाद होतीं। हालांकि, अब 2011 की जनगणना को आधार माना जा सकता है। इसके तहत 50फीसदी स्ट्रेट जैकेट फॉर्मूला, महिलाओं के लिए वर्टिकल आरक्षण हो। अहम बात ये है कि सरकार ने लोकसभा और विधानसभा सीटों में सीधे 50फीसदी की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव दिया है। इससे लोकसभा की वर्तमान संख्या में 50फीसदी का इजाफा हो सकता है और संबंधित राज्यों में विधानसभाओं की संख्या में भी 50फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी।

महिला आरक्षण लागू होने के बाद लोकसभा की बढ़ी हुई संख्या में से 33फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इन 33फीसदी आरक्षित सीटों के अंदर एससी/एसटी आरक्षण को अलग से लागू किया जाएगा। संवैधानिक संशोधनों के पारित होने के बाद लोकसभा और विधानसभा सीटों की परिसीमन प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यूबीटी, एनसीपी-एसपी, वाईएसआरसीपी जैसी पार्टियों के सदस्यों को सूचित किया गया कि देश में परिसीमन की प्रक्रिया लंबित है। पिछले परिसीमन के 25 साल पूरे होने के बाद, सीटों के परिसीमन की प्रक्रिया शुरू की जानी थी। लोकसभा और विधानसभा के लिए परिसीमन प्रक्रिया एक साथ शुरू की जा सकती है। बैठक में शामिल सदस्यों ने राज्यों पर प्रभाव, विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के मानदंडों के संबंध में कई सवाल उठाए।

सूत्रों ने बताया कि एनसीपी-एसपी ने पूछा कि क्या ये बदलाव 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले होने वाले विधानसभा चुनावों में भी लागू किए जाएंगे? कहा जा रहा है कि वाईएसआरसीपी ने आंध्र प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा सीटों के इजाफे के बारे में इन बदलावों के प्रभाव पर सवाल उठाए हैं।

दक्षिण भारत के राजनीतिक दलों को जनसंख्या से जुड़े लोकसभा और विधानसभा सीटों के परिसीमन पर कड़ा ऐतराज जताया है। डीएमके, टीडीपी, वाईएसआरसीपी जैसी पार्टियों की राय है कि केंद्र सरकार के परिवार नियोजन कार्यक्रमों के बेहतर तरीके से लागू करने के लिए दक्षिण के राज्यों को सजा नहीं दी जानी चाहिए। इसके अलावा तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन और उनकी पार्टी डीएमके ने 2026 के जनसंख्या आधारित परिसीमन योजनाओं का विरोध करने के लिए संयुक्त कार्रवाई समिति मंच बनाया था।

स्टालिन ने इस पर विचार-विमर्श के लिए पंजाब के सीएम भगवंत मान सहित गैर-बीजेपी हितधारकों को बुलाया था।

महिला आरक्षण को लागू करने के लिए सीटों में 50 फीसदी की सीधी बढ़ोतरी का फॉर्मूला और

उससे जुड़ी परिसीमन प्रक्रिया इन चिंताओं को कम कर सकती है। दक्षिण के राज्यों के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर ये जनसंख्या से जुड़ा नहीं है, तो दक्षिण के राज्यों और क्षेत्रीय दलों को परिसीमन का विरोध नहीं करना चाहिए वरना आपने हमें बेहतर परिवार नियोजन के लिए सजा नहीं दी होती। हालांकि, परिसीमन फॉर्मूले के लागू होने से जुड़े सवाल अभी भी बने हुए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस के राष्ट्रपति ने लेबनान की संप्रभुता का सम्मान करने की अपील की

पेरिस, एजेंसी। पश्चिम एशिया में उपजे तनाव के बीच इस्राइल ने लेबनान पर भी ताबड़तोड़ हमले किए हैं। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के टकराव के बीच लेबनान में हो रही बमबारी को लेकर फ्रांस ने चिंता जताई है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि लेबनान की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। बता दें कि तनावपूर्ण हालात के बीच 22 देशों ने ईरान से युद्ध रोकने की अपील की है। भारत की संसद से पीएम मोदी ने भी शांति की अपील करते हुए कूटनीति पर जोर दिया है। इसी बीच रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान ने मध्यस्थता की पहल की है और ईरान-अमेरिका के अधिकारी इस्लामाबाद में मिल सकते हैं। फिलहाल, 25 दिनों से बमबारी जारी है। अमेरिका, ईरान और इस्राइल में कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा है। वैश्विक ताकतों के इस टकराव के कारण पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में उपजा ये अभूतपूर्व मानवीय संकट और गहराने की आशंका है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए 'लेवल 4 : यात्रा न करें' चेतावनी जारी की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने नागरिकों को इराक तुरंत छोड़ने की चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान समर्थित आतंकवादी मिलिशिया ने इराक और कुर्दिस्तान क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिका का आरोप है कि अमेरिकी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, ऐसे में मिसाइलों, ड्रोन और रॉकेटों के जोखिम के चलते दूतावास या वाणिज्य दूतावास जाने से बचें। सभी कांसुलर सेवाएं निलंबित हैं इराक जाने से बचने की अपील करते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए 'लेवल 4 : यात्रा न करें' चेतावनी जारी की है। शनिवार को विदेश विभाग ने विश्वव्यापी चेतावनी भी जारी की थी। इसमें ईरानी समर्थकों द्वारा अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने की आशंका जताई गई। अमेरिकियों को मध्य पूर्व सहित दुनिया भर में अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई।

ऑस्ट्रेलिया :16 साल से कम उम्र के बच्चों के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस चलाने पर लगेगा प्रतिबंध

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में नए सुरक्षा कानूनों के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस (जैसे ई-बाइक और ई-स्कूटर) चलाने की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला मंगलवार को घोषित किया गया। राज्य सरकार ने बताया कि ई-मोबिलिटी सुरक्षा पर बनी संसदीय समिति की सभी 28 सिफारिशों को पूरी तरह या सिद्धांत रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इनमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर प्रतिबंध भी शामिल है। क्वींसलैंड के परिवहन मंत्री ब्रेंट मिकेलबर्ग ने कहा कि सरकार जल्द ही इन सिफारिशों को कानून बनाने के लिए संसद में पेश करेगी। नए नियमों के मुताबिक, ई-बाइक और ई-स्कूटर चलाने के लिए कम से कम क्वींसलैंड का लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी होगा। यह लाइसेंस 16 साल की उम्र में मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि चलाने वाले को ट्रैफिक नियमों की जानकारी हो। जांच में सामने आया कि साल 2025 में क्वींसलैंड में ई-मोबिलिटी से जुड़े हादसों में 12 लोगों की मौत हुई और 6,300 लोग घायल हुए।

अमेरिका को मिलेगा सऊदी और यूएई का साथ! ईरान के खिलाफ युद्ध में उतर सकते हैं 2 और देश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध अब और भीषण होने जा रहा है। खबर है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में सऊदी अरब और यूएई यानी संयुक्त अरब अमीरात युद्ध में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अब तक इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। अमेरिका के खिलाफ ऐक्शन में ईरान ने यूएई समेत कई जगहों पर धमाके किए थे। लॉल स्ट्रीट जनरल के अनुसार, सऊदी अरब और यूएई ने ईरान युद्ध में शामिल होने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। मामले के जानकारों ने अखबार को बताया कि सऊदी अरब ने किंग फाहद एयर बेस तक अमेरिका को पहुंच प्रदान करने में सहमति जताई है। खास बात है कि सऊदी अरब लंबे समय से कहता आ रहा है कि उसके एयर बेस का इस्तेमाल पुराने दुश्मन पर हमले के लिए नहीं किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, कहा जा रहा है कि यूएई ने ईरान के मालिकाना हक वाले एक अस्पताल और क्लब को बंद कर दिया है। माना जा रहा है कि तेहरान के लिए ये ठिकाने बेहद अहम थे। अखबार के अनुसार, कुछ वीडियोज से जाहिर तौर पर यह भी पता चला कि ईरान पर हमले में इस्तेमाल की गई मिसाइलें बहरीन से दागी गई थीं। कूटनीतिक मोर्चे पर सऊदी अरब ने ईरान के सैन्य अटैची और चार दूतावास कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। सऊदी अरब ने ईरान पर अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

ट्रम्प ने रक्षामंत्री के कहने पर ईरान पर हमला किया

उपराष्ट्रपति वेंस इससे खुश नहीं थे ; ईरान को एटमी हथियार बनाने से रोकना था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि ईरान पर हमले को लेकर सबसे पहले उन्होंने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बात की थी। उन्होंने कहा कि पीट ने कहा, चलिए सैन्य कार्रवाई करके देखते हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को चार हफ्ते होने वाले हैं। फिलहाल युद्ध थमने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। अब डोनाल्ड ट्रंप भी इस युद्ध का ठीकरा अपने ही रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर फोड़ रहे हैं। उन्होंने सोमवार को ही एक कार्यक्रम में कहा कि उनके डिफेंस सेक्रेटरी हेगसेथ ने ही सबसे पहले इस सैन्य कार्रवाई का दबाव डाला था। ट्रंप ने अपने साथ ही बैठे हेगसेथ से कहा, पीट, मुझे लगता है कि इस बारे में हम दोनों ने ही सबसे पहले बात की थी और आपने कहा था कि चलो करके देखते हैं। आपने कहा था कि उन्हें (ईरान) इस तरह से परमाणु हथियार रखने की छूट नहीं दी जा सकती। बता दें कि ईरान पर अमेरिका के हमले को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन भी अलग-अलग जवाब देता है। वहीं जानकारों का कहना है कि इजरायल ईरान पर हमला कर रहा था और ऐसे में अमेरिका को भी उसके साथ कूदना पड़ा। अन्य लोगों का कहना है कि

ईरान बड़ी संख्या में परमाणु हथियारों को तैनात करने की तैयारी कर रहा था, ऐसे में उसे रोकना जरूरी था।

समझौता चाहता है ईरान-डोनाल्ड ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए ईरान को दी गई समयसीमा बढ़ा दी है, साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले को अब पांच दिन के लिए टाल देगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी दूत एक ''सम्मानित'' ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं और ईरान ''समझौता करना चाहता है।' वहीं ईरान के अधिकारियों ने ऐसी किसी भी बात से साफ इनकार किया और कहा कि ''ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीछे हटने का निर्णय किया।

ईरान में 1500 की मौत : ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, ''हम कोई परमाणु बम या परमाणु हथियार नहीं देखना चाहते।'' इस बीच ईरान में संघर्ष में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,500 से अधिक जबकि लेबनान में 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 10 लाख लोग विस्थापित हो गए हैं। 15 और 13 अमेरिकी सैन्य कर्मी मारे गए हैं। इसके अलावा, खाड़ी क्षेत्र में भी कई नागरिक मारे गए है। ईरान और लेबनान में लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। उत्तरी इजराइल में एक संभावित हमले की सूचना के बाद मंगलवार तड़के राहत एवं बचाव टीम घटनास्थल पर पहुंचीं। 'होम फ्रंट कमांड' के अनुसार, इलाके में किसी वस्तु के गिरने की खबर मिली थी, जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। लोगों से अपील की गई कि वे उस क्षेत्र में एकत्र न हों। इससे पहले इजराइली सेना ने चेतावनी दी थी कि ईरान की ओर से इजराइल की तरफ मिसाइलें दागी जा रही हैं। इस बीच, इजराइल की वायुसेना ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर जोरदार हवाई हमले किए। सेना का कहना है कि इन हमलों का लक्ष्य हिज्बुल्ला के ठिकाने और बुनियादी ढांचे थे, इन हमलों में किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। हमलों के दौरान बहुत नीचे उड़ते लड़ाकू विमानों की आवाजें सुनी गईं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। लेबनानी अधिकारियों ने कहा है कि इजराइली हमलों में अब तक लेबनान में 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 10 लाख लोग विस्थापित हो गए हैं।

होर्मुज से जहाज सुरक्षित निकालने के लिए ईरान ने दुनिया के सामने रखी शर्त

तेहरान, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे जहाजों को निकालने का एकमात्र रास्ता ईरानी अधिकारियों से पहले से की गई बातचीत है। हाल ही में ईरान की सुरक्षा परिषद ने यह ऐलान किया है। साथ ही परिषद ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान के तटों या द्वीपों को निशाना बनाने की कोशिश की गई, तो बड़े जलमार्गों पर नौसैनिक बारूदी सुरंगे बिछा दी जाएंगी। युद्ध के बीच स्ट्रेट के दोनों ओर बड़ी संख्या में तेल के जहाज फंसे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अुसार, सोमवार को परिषद ने होर्मुज को लेकर बड़ी घोषणा की है। इसमें कहा गया है कि अब गैर शत्रुतापूर्ण जहाज या नॉन हॉस्टाइल वैसल्स का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरना पूरी तरह से ईरानी अधिकारियों के साथ पहले से तालमेल पर निर्भर होगा। परिषद ने चेताया है कि अगर मुल्क के पावर प्लांट्स पर हमले किए जाते हैं, तो तत्काल और निर्णायक जवाब ईरानी बलों की तरफ से दिया जाएगा।

नेवल माइन्स बिछाने की धमकी : परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि ईरानी तटों या द्वीपों को निशाना बनाने की कोई भी कोशिश की गई, तो सभी प्रमुख समुद्री व्यापारिक रास्तों पर 'विभिन्न प्रकार की नौसैनिक बारूदी सुरंगें' बिछा दी जाएंगी। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि ऐसे कदम उठाना उनका कानूनी अधिकार है और सैन्य स्तर पर स्वीकार्य भी है। परिषद ने चेताया कि कोई भी रक्षात्मक उपाय फारस की खाड़ी में समुद्री गतिविधियों पर रोक लगा देंगे, जिसके चलते स्ट्रेट

ऑफ होर्मुज जैसी स्थिति तैयार हो जाएगी। बयान में कहा गया है कि अगर समुद्री गतिविधियों में रुकावट आती है, तो इसकी जिम्मेदारी वॉशिंगटन और इजरायली शासन की होगी। परिषद ने इस बात की पुष्टि की है कि अगर जहाज सुरक्षित रूप से क्षेत्र से गुजरना चाहते हैं, तो 'ईरान के साथ समन्वय' ही एकमात्र रास्ता है। ईरान को मित्र देशों से अमेरिका की बातचीत के प्रस्ताव के संदेश मिले ईरान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि उसे मित्र देशों के जरिए अमेरिका की बातचीत के प्रस्ताव के बारे में संदेश मिले हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से ऐसी कोई बातचीत हुई है।

सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा, पिछले कुछ दिनों में कुछ मित्र देशों के जरिए संदेश मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के मकसद से बातचीत का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, उन्होंने पिछले 24 दिनों से चल रहे इस थोपे गए युद्ध के दौरान अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत या चर्चा से इनकार किया।

ईरान से तनातनी के बीच ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर की बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध से उपजी चिंताओं के बीच पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की कोशिश करता नजर आ रहा है। वह अमेरिका के संदेशों को ईरान पहुंचा रहा है और ईरान के जवाबों से अवगत करा रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर बात की। व्हाइट हाउस के मुताबिक चर्चा का मुख्य विषय ईरान युद्ध था। हालांकि इस बातचीत को संवेदनशील बताते हुए अधिकारियों ने और ज्यादा बताने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लिविट ने पहले कहा था कि ये संवेदनशील कूटनीतिक चर्चा है और अमेरिका मीडिया के जरिए कोई वार्ता नहीं करेगा। सूत्रों के अनुसार, मुनीर ने ट्रंप से बातचीत की और पाकिस्तान ने खुद को अमेरिकी और ईरानी वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वार्ता की संभावित जगह के रूप में पेश किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात की। एक्स पोस्ट के जरिए उन्होंने ईद-उल-फितर और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और ईरान के लोगों के साथ अपनी सहानुभूति जताई।

शरीफ ने कहा कि दोनों पक्षों ने खाड़ी क्षेत्र की गंभीर स्थिति पर चर्चा की और तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति की जरूरत पर सहमति जताई। उन्होंने इस्लामी दुनिया में एकता और क्षेत्र में शांति स्थापित करने में पाकिस्तान की भूमिका पर भी जोर दिया। इस बीच सोमवार को ट्रंप ने कहा कि तेहरान के साथ बेहतर और सार्थक बातचीत के बाद उन्होंने हमले को पांच दिनों तक टालने की घोषणा की थी, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता का ट्रंप के फैसले से सीधा संबंध है या नहीं। ईरान ने सीधे अमेरिका के साथ बातचीत से इनकार किया है, लेकिन विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मित्र देशों के माध्यम से संदेश मिले हैं। विश्लेषकों के अनुसार, यह कूटनीतिक प्रयास अभी शुरुआती चरण में है और इसे पूरी तरह से संरचित वार्ता नहीं माना जा सकता।

पाकिस्तान दुनिया का नंबर वन प्रदूषित देश

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान को दुनिया का सबसे प्रदूषित देश घोषित किया गया है। एक शोध से पता चला है कि पाकिस्तान में खतरनाक सूक्ष्म कणों (पीएम2.5) की सांद्रता विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा बताए गए सुरक्षित स्तर से 13 गुना अधिक है। राहत की बात यह है कि पिछले साल 13 देशों और क्षेत्रों ने अपने औसत पीएम2.5 स्तर को डब्ल्यूएचओ के मानक (5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से कम) पर बनाए रखा, जबकि 2024 में यह संख्या केवल 7 थी।

टॉप 3 सबसे प्रदूषित देश : स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था 'आईक्यूएयर' द्वारा मंगलवार को जारी की गई 2025 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान प्रदूषण के मामले में नंबर वन देश है। जिन 143 देशों और क्षेत्रों की निगरानी की गई, उनमें से 130 देश डब्ल्यूएचओ के सुरक्षित वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों को पूरा करने में विफल रहे। पाकिस्तान के बाद, बांग्लादेश दुनिया का दूसरा और

ताजिकिस्तान तीसरा सबसे प्रदूषित देश रहा। 2024 में दुनिया का सबसे प्रदूषित देश रहा चाड, 2025 में चौथे स्थान पर खिसक गया। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पीएम2.5 के स्तर में यह गिरावट असल में सुधार नहीं, बल्कि 'डेटा की कमी' का परिणाम है। वहीं भारत इस लिस्ट में छठे स्थान पर है।

डेटा की कमी और अमेरिकी निगरानी कार्यक्रम का बंद होना : पिछले साल मार्च में, अमेरिका ने बजट की कमी का हवाला देते हुए अपने दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों से प्रदूषण डेटा इकट्ठा करने वाले वैश्विक निगरानी कार्यक्रम को बंद कर दिया था। आईक्यूएयर रिपोर्ट की प्रमुख लेखिका क्रिस्टी चेस्टर श्रोएडर ने बताया कि मार्च में डेटा खोने से ऐसा लगा कि (चाड में) पीएम2.5 के स्तर में भारी गिरावट आई है, लेकिन वास्तविकता यह है कि हमें इसके बारे में जानकारी ही नहीं है। अमेरिका के इस फैसले ने कई प्रदूषण-ग्रस्त देशों के लिए डेटा का प्राथमिक स्रोत ही खत्म कर दिया। जानकारी के इसी अभाव के कारण बुरुंडी, तुर्कमेनिस्तान और टोगो जैसे देशों को 2025 की रिपोर्ट से बाहर कर दिया गया है। दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर: भारत का लोनी शहर 2025 में दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां औसत पीएम2.5 स्तर 112.5 माइक्रोग्राम दर्ज किया गया। इसके बाद चीन के शिनजियांग क्षेत्र का होटन शहर 109.6 माइक्रोग्राम के साथ दूसरे स्थान पर रहा। यह चिंताजनक है कि दुनिया के शीर्ष 25 सबसे प्रदूषित शहर केवल भारत, पाकिस्तान और चीन में ही स्थित हैं। शहरों का गिरता स्तर: 2025 में दुनिया के केवल 14% शहरों ने डब्ल्यूएचओ के मानकों को पूरा किया, जो कि एक साल पहले (17%) के मुकाबले कम है। इसका एक बड़ा कारण कनाडा के जंगलों में लगी आग थी, जिसने अमेरिका और यूरोप तक पीएम2.5 के स्तर को बढ़ा दिया। ला नीना मौसम प्रणाली के कारण बढ़ी नमी और हवाओं के चलते लाओस, कंबोडिया और इंडोनेशिया में पिछले वर्ष की तुलना में पीएम2.5 में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई।

मध्य पूर्व में हिंसा की बड़ी कीमत चुका रहे बच्चे, संघर्ष में अब तक 2,100 से ज्यादा हताहत : संयुक्त राष्ट्र

न्यूयार्क, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य संघर्ष के बाद से अब तक 2,100 से अधिक बच्चे या तो मारे जा चुके हैं या घायल हुए हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक टेड चैबन ने दी। उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संघर्ष शुरू हुए 23 दिन हो चुके हैं और इस दौरान पूरे क्षेत्र के बच्चे सबसे ज्यादा नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह लड़ाई और लंबी चली या बड़े स्तर पर फैल गई, तो लाखों और बच्चों के लिए स्थिति बेहद भयावह हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में 206 बच्चे ईरान में, 118 लेबनान में, चार इजरायल में और एक कुवैत में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से हर दिन औसतन 87 बच्चे या तो मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। मौत और चोटों के अलावा, लगातार हो रही बमबारी और लोगों को जगह खाली करने के आदेशों के कारण कई देशों में बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। ईरान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुमान के मुताबिक करीब 32 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें लगभग 8 लाख 64 हजार बच्चे शामिल हैं। वहीं लेबनान में 10 लाख से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ चुके हैं, जिनमें करीब 3 लाख 70 हजार बच्चे हैं। चैबन ने कहा कि इस संघर्ष के बढ़ने से पहले ही मध्य पूर्व में लगभग 4 करोड़ 48 लाख बच्चे ऐसे हालात में रह रहे थे, जो पहले से ही संघर्ष से प्रभावित थे। हाल ही में लेबनान के अपने दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की स्थिति बेहद चिंताजनक है और पूरे क्षेत्र में जो हो रहा है, उस पर दुनिया का पूरा ध्यान और मिलकर कार्रवाई जरूरी है। लेबनान में 350 से ज्यादा सरकारी स्कूलों को राहत शिविर बना दिया गया है, जिससे करीब 1 लाख बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। इसके अलावा पानी की व्यवस्था खराब हो गई है और लोगों की मदद करते समय कई स्वास्थ्यकर्मियों की मौत भी हुई है। यूनिसेफ ने अब तक 250 से ज्यादा शिविरों और दूर-दराज के इलाकों में 1 लाख 51 हजार विस्थापित लोगों तक जरूरी सामान पहुंचाया है। साथ ही 188 शिविरों में करीब 46 हजार लोगों को पानी और साफ-सफाई की सुविधा दी जा रही है। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरतें बहुत तेजी से बढ़ रही हैं और उपलब्ध संसाधन कम पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम सभी पक्षों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत उनके दायित्वों की याद दिलाते हैं। जैसा कि महासचिव ने संकेत दिया है हमें इस युद्ध को रोकने और आगे बढ़ने के लिए एक राजनीतिक रास्ते की जरूरत है।

ईरान और अमेरिका के बीच दूरी मिटाने में जुटे ये मुस्लिम देश, इस्लामाबाद में हो सकती है मध्यस्थता बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने की कोशिशें लगातार जारी हैं। इस बीच रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस सप्ताह इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होने की संभावना है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले रोकने के एलान के बाद कूटनीतिक गतिविधियों में तेजी आई है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत की वजह से हमलों को पांच दिन के लिए रोका गया है।

कौन से मुस्लिम देश कर रहे जंग खत्म करने के कूटनीतिक प्रयास : रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान, तुर्किये और मिस्र पर्दे के पीछे रहकर दोनों देशों को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। एक वरिष्ठ इस्राइली अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद में बैठक आयोजित करने के लिए संपर्क जारी हैं, जिसमें अमेरिका और ईरान के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं।

एक पाकिस्तानी अधिकारी और एक अन्य सूत्र ने बताया कि युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत इसी सप्ताह इस्लामाबाद में हो सकती है। पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के इस्लामाबाद में ईरानी अधिकारियों से मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में दावा- ईरानी संसद के अध्यक्ष के संपर्क में

अमेरिका इस्राइल को मध्यस्थता के लिए की जा रही इन कोशिशों की जानकारी थी, लेकिन ट्रंप के इस दावे से वह हैरान है कि बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है और कई मुद्दों पर सहमति बन चुकी है। हाल के दिनों में तुर्किये, मिस्र और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने अलग-अलग बैठकों में व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से चर्चा की है। इस्राइली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से भी संपर्क किया है, जो इस संघर्ष के दौरान अहम निर्णयकर्ता के रूप में उभरे हैं। एक सूत्र ने बताया कि मध्यस्थता जारी है और प्रगति हो रही है, जिसका उद्देश्य युद्ध को समाप्त करना और बाकी मुद्दों का समाधान निकालना है। ट्रंप ने किया ईरान पर सैन्य कार्रवाई रोकने का एलान इस बीच ट्रंप ने कहा कि बातचीत काफी मजबूत रही है और कई अहम बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है। उन्होंने बताया कि कूटनीति के लिए पांच दिनों तक सैन्य कार्रवाई रोकी गई है। उन्होंने कहा कि अगर बातचीत सफल रहती है तो हम समझौते तक पहुंच जाएंगे, वरना हम फिर से कार्रवाई करेंगे। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान ने खुद बातचीत के लिए संपर्क किया है।

टेक्सास की तेल रिफाइनरी में विस्फोट से हड़कंप, स्थानीय लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका में टेक्सास तट के पास सोमवार को एक तेल रिफाइनरी में विस्फोट हुआ। इस धमाके के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और आसमान में धुएं का भारी गुबार छा गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्थानीय निवासियों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश जारी किया है।

राहत बचाव कार्य जारी : यह विस्फोट ह्यूस्टन से लगभग 145 किलोमीटर पूर्व में स्थित पोर्ट आर्थर की वैलेरो रिफाइनरी में हुआ। पोर्ट आर्थर की मेयर चार्लोट एम. मोसेस ने जानकारी दी कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और जल्द से जल्द आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। मेयर ने शहर के पश्चिमी हिस्से के लोगों से अपील की है कि वे घरों से बाहर न निकलें।

क्या बोले स्थानीय निवासी : सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में रिफाइनरी से आग की लपटें और काला धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां तक हिल गईं। प्रशासन ने फेसबुक के जरिए संदेश दिया है कि जब तक आपातकालीन सेवाओं की ओर से खतरा टलने की घोषणा का संकेत न मिल जाए, तब तक लोग सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

लोगों से सतर्क रहने की अपील : टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि 'टेक्सास कमीशन ऑन एनवायर्नमेंटल क्वालिटी' की टीम वायु निगरानी उपकरणों के साथ रिफाइनरी पहुंच गई है। उन्होंने निवासियों को सलाह दी है कि वे बाहरी गतिविधियों को सीमित करें और अपने घरों के खिड़की-दरवाजे बंद रखें।

वैलेरो की वेबसाइट के अनुसार, इस

रिफाइनरी में लगभग 770 कर्मचारी काम करते हैं और इसकी क्षमता प्रतिदिन लगभग 4,35,000 बैरल तेल संसाधित करने की है। यह प्लांट कच्चे तेल से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन तैयार करता है। गौरतलब है कि यह विस्फोट ऐसे समय में हुआ है जब ईरान युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में अनिश्चितता बनी हुई है और गैस की कीमतों में पहले से ही भारी उछाल देखा जा रहा है। फिलहाल वैलेरो कंपनी की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

अमेरिका की सबसे बड़ी रिफाइनरी में से एक : वालेरो पोर्ट आर्थर रिफाइनरी टेक्सास गल्फ कोस्ट से लगभग 90 मील की दूरी पर स्थित है। यहां लगभग 770 कर्मचारी का मकरते हैं। एक दिन में यहां 435000 बैरेल गैसोलीन, डीजल और जेट फ्यूल रिफाइन किया जाता है। जानकारों का कहना है कि इस रिफाइनरी में आग लगने के बाद ऑपरेशन रुक सकता है। इसका असर क्षेत्रीय फ्यूल सप्लाई पर भी पड़ सकता है। एक जानकार ने अनुमान लगाया है कि हीटिंग यूनिट में विस्फोट आग लगने की वजह हो सकती है। बता दें कि ईरान से युद्ध के बीच अफवाह यह भी फैल रही है कि ईरान ने ही यह हमला किया है। हालांकि अगर ईरान की सैन्य क्षमता देखें तो उसकी मिसाइलें अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम नहीं हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में आयोजित

सम्राट अशोक जयंती समारोह

‘चुनड़ी रंग दे रे रंगरेज... माँ जीण के जाना है‘

माँ जीण भजन संध्या का हुआ आयोजन

सूरत,श्री जीण माता सेवा ट्रस्ट द्वारा न्यूसिटी लाइट स्थित माँ जीण मंदिर के प्रथम पाटोत्सव के उपलक्ष में दो दिवसीय कार्यक्रम में मंगलवार को विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस मौके पर माँ जीण का भव्य दरबार सजाया गया। श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम छः बजे से अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकारों के पश्चात कोलकाता से आमंत्रित गायक कलाकार जयशंकर जी चौधरी ‘गुरुजी’ ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। उनके भजन ‘चुनड़ी रंग दे रे रंगरेज... माँ जीण के जाना है’ पर भक्तों ने भाव विभोर हो माँ जीण को चुनड़ी अर्पण की।

आयोजन में छप्पन भोग, सवामणी, पुष्प-वर्षा, महाप्रसाद आदि कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के कमल टाटनवाला, अमित दोदराजका, अशोक चौकड़िका, लोकेंद्र दोदराजका सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एकल श्री हरि महिला, युवा, युवा महिला कार्यकारिणी का हुआ गठन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट की महिला समिति , युवा समिति एवं युवा महिला समिति का गठन बुधवार को किया गया। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल एवं सूरत चेप्टर के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल (विनायक) ने बताया की नई महिला समिति में सुषमा दारुका को अध्यक्ष, अनिता केडिया को सचिव बनाया गया। युवा समिति में विकास अग्रवाल को अध्यक्ष, गिरीश अग्रवाल को सचिव बनाया गया। ट्रस्ट द्वारा प्रथम बार गठित महिला युवा समिति में अंजू जैन को अध्यक्ष, ज्योति डालमिया को सचिव बनाया गया। मीटिंग में तीनों समितियों में अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों की भी नियुक्ति की गई। मीटिंग में सभी नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दी गई एवं एकल श्रीहरि की भावी योजनाओं के बारे में बताया गया।